mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-87 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
30 मार्च 2026 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

अमेरिकी जहाज त्रिपोली से 3500 सैनिक मिडिल ईस्ट पहुंचे

कई लड़ाकू विमान भी आए; ईरान में जमीनी ऑपरेशन की तैयारी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के 3500 एक्स्ट्रा सैनिक मिडिल ईस्ट पहुंचे हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के अनुसार ये सैनिक स्र्स त्रिपोली जहाज के जरिए आए हैं। ये सैनिक 31वीं मरीन एक्सपेडिशनरी यूनिट का हिस्सा हैं। उनके साथ बड़े पैमाने पर लड़ाकू विमान और हथियार भी भेजे गए हैं। वहीं, अमेरिकी अखबार वॉशिंगटन पोस्ट ने कुछ अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि अमेरिका ईरान में कई हफ्तों तक चलने वाले जमीनी ऑपरेशन की तैयारी कर रहा है। अधिकारियों के अनुसार, यह ऑपरेशन बड़े पैमाने पर नहीं होगा। इसमें स्पेशल फोर्स के छापे और पैदल सैनिकों (इन्फैंट्री) की कार्रवाई शामिल हो सकती है। हालांकि, इसे लेकर ट्रम्प प्रशासन ने अब तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। दूसरी ओर ईरान के अंग्रेजी अखबार तेहरान टाइम्स ने शनिवार को अमेरिकी सैनिकों की तैनाती को लेकर कहा है कि ये सैनिक ईरान की जमीन से ताबूत में वापस लौटेंगे।

पंजाब के मलेरकोटला में 2 आतंकी गिरफ्तार

पंजाब और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने दबोचा, 5 साल से गांव शेरवानी कोटे में करते थे मजदूरी

मलेरकोटला, एजेंसी। पंजाब के मलेरकोटला से पंजाब पुलिस और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपियों की पहचान अब्बू गाबा और उस्मान के रूप में हुई है। इन्हें शेरवानी कोटे गांव से शनिवार को गिरफ्तार किया गया जहां वे पिछले कई वर्षों से किरायेदार के रूप में रह रहे थे। इसके साथ ही 5 साल से मजदूरी भी कर रहे थे।

नशा तस्कर से पूछताछ में मिला सुराग :इस मामले में बड़ा खुलासा उस समय हुआ जब 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान के तहत पकड़े गए एक स्थानीय नशा तस्कर से पूछताछ की गई। जांच के दौरान सामने आए इनपुट के आधार पर दोनों संदिग्धों की पहचान जम्मू-कश्मीर में वांछित आतंकियों से मेल खाती पाई गई।

मलेरकोटला पुलिस की ष्टद्ब विंग की टीम ने शनिवार को गांव में छापा मारकर दोनों को हिरासत में लिया। प्रारंभिक पूछताछ के बाद उन्हें आगे की जांच के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस के हवाले कर दिया गया है। फिलहाल इस मामले में पंजाब पुलिस और जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से आधिकारिक पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है।

महिलाओं को 24 हजार करोड़ दे रहे 4 चुनावी राज्य

तमिलनाडु में समर पैकेज, असम में बिहू बोनस

● बंगाल में ममता ने सबसे बड़ा दांव लगाया

नई दिल्ली, एजेंसी। अगले महीने 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें से चार राज्य ऐसे हैं, जिन्होंने जीत के कथित फॉर्मूले यानी कैश ट्रांसफर पर बड़ा दांव लगाया है। चारों राज्य महिलाओं के बैंक खाते में सीधे 24,500 करोड़ रुपए ट्रांसफर कर रहे हैं। चुनावी वादा भी यही है कि सत्ता में आए तो ऐसे ही 5 साल तक पैसे खातों में जाते रहेंगे। तमिलनाडु की DMK सरकार ने 2-2 हजार रु. स्पेशल समर पैकेज के नाम पर महिलाओं के खाते में डाल दिए। असम की भाजपा सरकार ने बिहू मनाने के लिए 4-4 हजार रुपए दे दिए। केरल की वामपंथी सरकार भी स्त्री सुखम नकद योजना ले आई। 10 लाख महिलाओं को हर महीने 1-1 हजार रुपए मिल रहे हैं। बंगाल की तृणमूल सरकार तो फरवरी में लक्ष्मी भंडार स्कीम में 500 रु. बढ़ा चुकी है। खस्ताहाल अर्थव्यवस्था के बावजूद ममता बनर्जी की तृणमूल सरकार को अगले साल 5 हजार करोड़ देने पड़ेंगे। इसी स्कीम ने 2021 के चुनाव में ममता को जीत दिलाई थी। चारों राज्यों में सभी योजना की लाभार्थी महिलाओं की संख्या 4.1 करोड़ है, जब कि कुल वोटर 17.89 करोड़। यानी इनमें नकद स्कीमों की कुल लाभार्थी 23% हैं।

अब 15 राज्य दे रहे महिलाओं को नगद सहायता : बीते 5 साल में हुए चुनावों का ट्रेंड देखें तो पता चला है कि महिलाओं को कैश ट्रांसफर देने वाले राज्यों की संख्या एक से बढ़कर 15 हो गई है।

नक्सलवाद पर आखिरी प्रहार के लिए निकले 50 हजार जवान; देश के कई राज्यों में छिपे हैं करीब 150 नक्सली

नई दिल्ली,एजेंसी। 31 मार्च तक नक्सल मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सुरक्षा बल अंतिम चरण में पहुंच चुके हैं। हाल के महीनों में बड़ी संख्या में नक्सली मारे गए या उन्होंने आत्मसमर्पण किया है, जिससे उनकी ताकत काफी कमजोर हो गई है। अब केवल 100 से 150 नक्सली कुछ राज्यों में छिपे बताए जा रहे हैं।

चार राज्यों में छिपे हैं करीब 150 नक्सली :सूत्रों के मुताबिक 100 से 150 नक्सली छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और तेलंगाना में छिपे हैं। अगले 48 घंटे में नक्सलवाद पर आखिरी प्रहार के लिए बड़े सर्च ऑपरेशन होंगे। इसमें विभिन्न कोबरा कमांडो, केंद्रीय बलों और राज्यों की पुलिस के 50 हजार जवान शामिल हैं। केंद्रीय सुरक्षा बलों के अधिकारियों को उम्मीद है कि तय समय तक बचे-खुचे नक्सली आत्मसमर्पण के लिए आगे आएंगे।

10 साल बाद कच्छ में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड का जन्म, तकनीक-संयुक्त प्रयासों से मिली सफलता

गांधीनगर, एजेंसी। गुजरात के कच्छ जिले के अबडासा क्षेत्र में 10 साल के लंबे इंतजार के बाद 'घोराड़' (ग्रेट इंडियन बस्टर्ड) के एक बच्चे ने जन्म लिया है। यह वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। गुजरात के वन और पर्यावरण मंत्री अर्जुन मोढवाडिया ने इस सफलता की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुजरात और राजस्थान के वन विभाग, केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय और भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII) ने मिलकर इस मिशन को पूरा किया है।

कच्छ में घोड़ाड पक्षियों की आबादी में नर पक्षियों की कमी के कारण, कारण मादा पक्षी जो अंडे देती थी, वे निषेचित नही हो पाते थे, जिसके चलते उनसे बच्चे नहीं निकलते थे। इस चुनौती को दूर करने के लिए 'जंपस्टार्ट अप्रोच' नाम की आधुनिक और वैज्ञानिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया।

इस योजना के तहत राजस्थान के ब्रीडिंग सेंटर से एक उपजाऊ अंडा लिया गया। इस अंडे को एक पोर्टेबल इनक्यूबेटर में रखा गया और 19 घंटे के लंबे सड़क सफर के बाद सुरक्षित कच्छ पहुंचाया गया। 22 मार्च को कच्छ में एक मादा घोराड़ के घोंसले में मौजूद बांझ अंडे को हटाकर उसकी जगह यह उपजाऊ अंडा रख दिया गया। मादा पक्षी ने इस अंडे को प्राकृतिक तरीके से सेया और 26 मार्च को एक स्वस्थ बच्चे का जन्म हुआ।

फिलहाल वन विभाग की टीम मादा घोराड़ और उसके बच्चे की लगातार निगरानी कर रही है। वन मंत्री ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और हर्ष संघवी के नेतृत्व में मिली इस सफलता पर खुशी जाहिर की। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस साझा प्रयास की सराहना की है।

साल 2011 में तत्कालीन मुख्यमंत्री और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोराड़ पक्षियों के संरक्षण का विचार रखा था। इसके बाद 2016 में 'प्रोजेक्ट जीआईबी' की शुरुआत हुई। राजस्थान के सैम और रामदेवरा में बने ब्रीडिंग सेंटरों में अब इन पक्षियों की संख्या बढ़कर 73 हो गई है। यह सफलता वैज्ञानिकों, वन अधिकारियों और प्रकृति प्रेमियों के लिए गर्व का पल है। इससे भारत में वन्यजीवों को बचाने के संकल्प को और मजबूती मिली है।

गुजरात में दलित-आदिवासियों पर बढ़ते अत्याचार का आरोप, राहुल गांधी ने उठाया ऊना कांड का मुद्दा

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुजरात में दलित और आदिवासी समुदायों के खिलाफ बढ़ते अत्याचार को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में नफरत, भेदभाव और हिंसा का माहौल लगातार गहराता जा रहा है।

ऊना कांड का फिर उठाया मुद्दा:राहुल गांधी ने 2016 के ऊना कोड़े मारने की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि यह घटना पूरे देश को झकझोर देने वाली थी। उस समय चार दलित युवकों को सार्वजनिक रूप से पीटा गया था। उन्होंने कहा कि करीब एक दशक बीत जाने के बावजूद पीड़ितों को अब तक न्याय नहीं मिल सका है, जो अपने आप में एक बड़ी विफलता है।

प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद बयान:राहुल गांधी ने हाल ही में गुजरात से आए दलित और आदिवासी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कई पीड़ितों की आपबीती सुनी। उन्होंने बताया कि कुछ मामलों में लोगों को इतनी बेरहमी से पीटा गया कि उनके शरीर में कई फ्रैक्चर हो गए, वहीं एक अन्य मामले में व्यक्ति को जिंदा जला दिया गया।

'डर और अन्याय का माहौल':कांग्रेस नेता ने कहा कि ये घटनाएं सिर्फ अलग-अलग अपराध नहीं हैं, बल्कि एक ऐसे माहौल की तस्वीर पेश करती हैं जहां डर और अन्याय हावी है। उन्होंने आरोप लगाया कि जो लोग अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाते हैं, उन्हें धमकियों, हिंसा और यहां तक कि हत्या के जरिए दबाने की कोशिश की जाती है।

न्याय मिलने तक जारी रहेगा संघर्ष:राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा शासित गुजरात में दलितों और आदिवासियों के खिलाफ अत्याचार बढ़े हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि यह मॉडल अब पूरे देश में लागू किया जा रहा है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।

अडाणी डिफेंस ने आर्मी को सौंपी 2,000 मशीन गन दुश्मनों को 1 किमी. दूर से मार गिराने की क्षमता

एक मिनट में 700 राउंड फायरिंग

ग्वालियर, एजेंसी। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने भारतीय सेना को 2,000 'प्रहार' लाइट मशीन गन (LMG) की पहली खेप सौंपी। यह 7.62 मिमी कैलिबर के हथियार ग्वालियर के स्मॉल आर्म्स कॉम्प्लेक्स में बनाए गए हैं।

सरकार इन हथियारों का इस्तेमाल LAC और LoC पर सुरक्षा और मारक क्षमता बढ़ाने के लिए करेगी। 'प्रहार' रूल्र की मारक क्षमता 1,000 मीटर तक है, जिससे दुश्मनों को दूर से निशाना बनाया जा सकता है। मशीन गन 8 किलोग्राम की हैं, जिनकी लंबाई 1100 mm है। एक मिनट में 700 राउंड फायरिंग होगी।

शनिवार को ग्वालियर स्थित प्लांट में सेना को LMG सौंपने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें रक्षा मंत्रालय के डीजी ए. अंबरासु, कंपनी के CEO आशीष राजवंशी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। अधिकारियों ने मशीन गन की पहली खेप लेकर जा रहे ट्रकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

- **6 साल में पूरा हुआ प्रोजेक्ट, समय से पहले डिलीवरी :** कंपनी के CEO आशीष राजवंशी ने बताया कि इस प्रोजेक्ट को बोली जमा करने से लेकर डिलीवरी तक पूरा करने में करीब 6 साल लगे। कंपनी ने निर्धारित समय से 11 महीने पहले पहली खेप सौंप दी है। पूरा ऑर्डर देने के लिए पहले 7 साल से ज्यादा का समय तय था, लेकिन कंपनी इसे अगले 3 साल के भीतर पूरा कर देगी।
- **40,000 मशीन गन का ऑर्डर :** कंपनी के अनुसार, रूल्र का कुल ऑर्डर लगभग 40,000 यूनिट का है। रक्षा मंत्रालय के अधिकारी ए. अंबरासु ने समय से पहले डिलीवरी की सराहना करते हुए कहा कि इससे साबित होता है कि प्रोजेक्ट को तेजी से पूरा करने की क्षमता मौजूद है।

मोदी बोले: केरल में भ्रष्टाचारी पार्टियों को बीजेपी से डर, राज्य LDF-UDF के बीच फंसा

नई दिल्ली/ तिरुवनंतपुरम/ गुवाहाटी/कोलकाता/चेन्नई, एजेंसी। पीएम मोदी ने रविवार को केरल में चुनाव प्रचार की शुरुआत की। पलक्कड़ में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि, ये राज्य लेफ्ट और कांग्रेस गठबंधन के बीच फंसा हुआ है। इन भ्रष्टाचारी पार्टियों को बीजेपी से डर लगता है। अगर हम सत्ता में आ गए तो इनके सारे काले कारनामों की पोल खुल जाएगी। राज्य में लूटपाट के लिए इनका गठबंधन बना हुआ है।

पीएम बोले- केरल का एनडीए पर भरोसा बढ़ा :पीएम ने कहा कि NDA की बढ़ती लोकप्रियता, BJP पर लोगों का बढ़ता भरोसा, आज आपका जोश और सपोर्ट, इतनी बड़ी संख्या में आपकी मौजूदगी। पलक्कड़, यह सब दिखाता है कि केरल का मूड एक आंदोलन बन गया है। अब केरल के युवा BJP और NDA पर भरोसा करते हैं। अब केरल की महिलाएं BJP और NDA को पसंद करती हैं। अब केरलम के किसान BJP और NDA को पसंद करते हैं।

केरल स्वार्थी राजनीति के दो मुखौटों में फंसा :पीएम मोदी ने कहा, दशकों से केरल मतलबी पॉलिटिक्स के दो मुखौटों के बीच फंसा हुआ है। एक तरफ LDF, दूसरी तरफ UDF; एक तरफ कम्युनिस्ट, दूसरी कांग्रेस। एक करप्ट, दूसरा महा-करप्ट। एक कम्युनल, दूसरा महा-कम्युनल। ख्रष्ठस्न और ष्ठस्न की सारी पॉलिसी सिर्फ वोट-बैंक पॉलिटिक्स के लिए हैं। उन्हें केरल के डेवलपमेंट की कोई चिंता नहीं है। यहां जो BJP, NDA सरकार बनेगी, वह यहां तेजी से डेवलपमेंट लाएगी, एक डेवलप्ड केरल बनाएगी। यह मोदी की गारंटी है।

बीजेपी के के लाखों कार्यकर्ताओं की मेहनत: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि इस बदलाव के पीछे केरलम की जनता का आशीर्वाद है। इसके पीछे केरलम भाजपा के लाखों कार्यकर्ताओं की मेहनत है। हमारे कितने ही कार्यकर्ताओं ने यहां राजनीतिक हिंसा के कारण अपना जीवन खोया है, मैं आज उन सभी कार्यकर्ताओं को इस मंच से श्रद्धांजलि देता हूं। दशकों से केरलम स्वार्थी राजनीति के दो मुखौटों के बीच फंसा हुआ है। एक ओर एलडीएफ तो दूसरी ओर यूडीएफ। एक ओर कम्यूनिस्ट तो दूसरी ओर कांग्रेस। एक भ्रष्ट तो दूसरा महा भ्रष्ट, एक संप्रदायी, दो दूसरा महा संप्रदायी।

शाह बोले- असम में कांग्रेस शासन में बम धमाके होते थे

गुवाहाटी। शाह ने कहा, एक ओर भाजपा है जिसने 10 साल में असम को आतंकवाद मुक्त बना दिया। दूसरी ओर, कांग्रेस पार्टी है जिसके शासन में यहां गोलीबारी और बम धमाके होते थे, सैकड़ों युवा मौत के घाट उतार दिए जाते थे। आज मोदी जी के नेतृत्व में हमने कई सारे समझौते करके 10 हजार युवाओं को हथियार छुड़वाकर, असम में शांति की प्रस्थापना करने का काम भाजपा ने किया है।

असम को घुसपैठिया मुक्त बनाना है :शाह ने असम में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि आपको वोट सिर्फ विधायक, मंत्री और मुख्यमंत्री बनाने के लिए नहीं करना है, बल्कि आपको वोट करना है- घुसपैठिया मुक्त असम बनाने के लिए, शांत और विकसित असम बनाने के लिए।

ममता बोलीं- बीजेपी नॉन-वेज खाने पर रोक लगा देगी

कोलकाता। ममता ने कहा- अगर BJP बंगाल में सत्ता में आई तो लोग नॉन-वेज नहीं खा पाएंगे। BJP चुनाव से पहले कुछ पैसे देगी लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद इसे बंद कर देगी।

टीएमसी पर आरोप लगाने वाले पर चार्जशीट दायर हो :ममता बनर्जी ने कहा कि बीजेपी के एक बड़े नेता कल टीएमसी के खिलाफ चार्जशीट लेकर आए थे। दरअसल चार्जशीट तो उनके खिलाफ लगनी चाहिए जो गुजरात दंगे के आरोपी हैं।

मन की बात में पीएम

'हमारे पड़ोस में भीषण युद्ध चल रहा' अफवाहों से बचें, संयम बनाए रखें

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबह 11 बजे आकाशवाणी पर प्रसारित होने वाले मन की बात कार्यक्रम के जरिए देश और विदेश के लोगों से अपने विचार साझा किए। यह कार्यक्रम का 132वां एपिसोड और वर्ष 2026 का तीसरा प्रसारण है। मन की बात देश के लोगों से सीधा संवाद का मंच माना जाता है।

पीएम ने कहा कि दुनिया में जंग चल रही है। पेट्रोल-डीजल का संकट पैदा हुआ है, लेकिन भारत इस चुनौती से निपट रहा है।सरकार लोगों से अपील करती है कि किसी तरह की अफवाहों में न आएं। सरकार की तरफ से जानकारी पर भरोसा करें। कुछ लोग माहौल बिगाड़ने की कोशिश में लगे हैं। इससे वे देश का नुकसान कर रहे हैं।खाड़ी देशों में भारतीयों की मदद जारी: वर्तमान में हमारे पड़ोस में एक माह से भीषण युद्ध चल रहा है। हमारे लाखों परिवारों के सगे-संबंधी इन देशों में रहते हैं, खासतौर पर खाड़ी देशों में काम करते हैं। मैं खाड़ी देशों का बहुत आभारी हूं, वे ऐसे एक करोड़ से ज्यादा भारतीयों को वहां पर हर प्रकार की मदद दे रहे हैं।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से साझा किया कि जब समाज स्वयं पहल करता है, तो छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े बदलाव की नींव बन जाते हैं। उन्होंने बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे कई प्रेरक उदाहरण सामने आ रहे हैं। मोदी ने हाल ही में उत्तर प्रदेश के वाराणसी में हुए एक प्रेरक प्रयास का जिक्र किया। वहां सिर्फ एक घंटे में 2 लाख 51 हजार से अधिक पौधे लगाए गए और इस प्रयास ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस काम की सबसे खास बात यह थी कि हजारों लोग एक साथ जुड़े। छात्र, जवान, स्वयंसेवी संगठन और विभिन्न संस्थाओं ने मिलकर इसे संभव बनाया। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि यह जनभागीदारी का स्वरूप पहले से ही 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान में दिखाई देता है। इस अभियान के तहत पूरे देश में करोड़ों पेड़ लगाए गए हैं, जो पर्यावरण संरक्षण और हरित भारत के लक्ष्य को साकार करने में मदद कर रहे हैं।

ध्रुवीकरण का नया आधार बनकर उभरा एसआईआर

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल में एसआइआर सीएए-एनआरसी से भी परे जाकर मतदाताओं के बीच ध्रुवीकरण के नए आधार के रूप में उभरा है। विधानसभा चुनाव से पूर्व राज्य में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और भी तेज होता जा रहा है। बदलती हुई पहचान की इस राजनीति में एसआईआर की प्रक्रिया एक अहम टकराव का मुद्दा बनकर उभरी है।

वर्ष 2021 के पिछले विधानसभा चुनाव में जहां मतभेद सीएए और एनआरसी के ईद-गिर्द केंद्रित थे, वहीं अब उभरती हुई प्रतिस्पर्धा एसआइआर जैसे एक ऐसे मुद्दे पर आधारित है, जो यह तय कर रहा है कि मतदाता के रूप में कौन योग्य है। एसआइआर की प्रक्रिया ध्रुवीकरण को एक सीधी ल?ाई में तब्दील कर रही है, जिसके साथ घुसपैठ और अल्पसंख्यक तुष्टीकरण जैसे बार-बार दोहराए जाने वाले विषय जु? हैं। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद और गहरी वैचारिक उथल-पुथल का मेल चुनावी रणक्षेत्र को एक बहुस्तरीय मुकाबले में बदल रहा है, जहां मतदाताओं का गणित पहचान-आधारित लामबंदी से टकराता है। एसआइआर की प्रक्रिया के दौरान, अब तक मतदाता सूची से लगभग 64 लाख नाम हटाए जा चुके हैं, और कई लाख नामों की अभी भी जांच जारी है। यह एक ऐसा पैमाना है, जिसने राजनीतिक समीकरणों को हिलाकर रख दिया है और के मुकाबले वाली सीटों पर अनिश्चितता पैदा कर दी है। भाजपा ने एसआईआर को एक जरूरी चुनाव सुधार के तौर पर पेश किया है और इसे अवैध प्रवासन व जनसांख्यिकीय बदलाव-खास तौर पर सीमावर्ती जिलों से संबंधित चिंताओं से जोा है। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि सीमावर्ती जिलों में अवैध प्रवासन और जनसांख्यिकीय बदलाव वास्तविक चिंताएं हैं। ये मुद्दे राज्य की पहचान और सुरक्षा को प्रभावित करते हैं। वहीं, तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व मंत्री फिरहाद हकीम ने कहा कि भाजपा अल्पसंख्यकों के वोट देने के अधिकार छीनकर चुनाव लना चाहती है। हम चुनावी फायदे के लिए ध्रुवीकरण की इजाजत नहीं देंगे। राजनीतिक विश्लेषक सुमन भट्टाचार्य ने कहा कि 2021 में, चुनावी अभियान के दौरान ध्रुवीकरण अपने चरम पर था। अब हम जो देख रहे हैं, वह एक ज्यादा स्थायी और जमीनी स्तर की लामबंदी है तथा एसआइआर ने इस बदलाव को और तेज कर दिया है। कुल मिलाकर, एसआइआर और पहचान-आधारित लामबंदी में आई तेजी ने बंगाल में राजनीतिक व्याकरण को पूरी तरह से बदल दिया है।

गुरुग्राम में फर्जी वेंडर फर्म से करोड़ों का लोन धोखाधड़ी, कंपनी का डायरेक्टर गिरफ्तार

गुरुग्राम, एजेंसी। फर्जी वेंडर फर्म के माध्यम से एक अन्य कंपनी से करोड़ों रुपये का लोन लेकर धोखाधड़ी करने के मामले गुरुग्राम पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा द्वितीय ने कंपनी के निदेशक को कोयंबटूर से गिरफ्तार किया है। इसकी पहचान दिल्ली के जनकपुरी के रहने वाले प्रशांत कुमार के रूप में की गई। धोखाधड़ी इस मामले में शिकायतकर्ता कंपनी की तरफ से पिछले साल जुलाई में सेक्टर 17/18 थाने में केस दर्ज कराया गया था।

स्मार्टपैडल टेक्नोलाजी प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि की ओर से दी गई शिकायत में बताया गया कि सिटी मेगा मार्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के डायरेक्टर ने वर्ष 2022 में सप्लाई एग्रीमेंट करके व्यापार के नाम पर खरीद आदेश जारी कर तय समय में रुपये वापस करने का आश्वासन देकर करोड़ों रुपये का लोन लिया था। उसके बाद आरोपित कंपनी ने रुपये लोटाने से इनकार कर दिया तथा वेंडर्स की भूमिका भी संदिग्ध थी। आर्थिक अपराध शाखा द्वितीय ने मामले में जांच की और आरोपित प्रशांत को 26 मार्च को कोयंबटूर से पकड़ लिया।

आरोपित प्रशांत सिटी मेगा मार्ट कंपनी का डायरेक्टर : पूछताछ में पता चला कि आरोपित प्रशांत सिटी मेगा मार्ट कंपनी का डायरेक्टर है और 20 प्रतिशत शेयर धारक है। आरोपित ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर स्मार्टपैडल टेक्नोलॉजी से व्यापार के नाम पर लोन लिया तथा 90 दिन के अंदर ब्याज सहित वापस करने का आश्वासन दिया। परंतु आरोपितों ने जिन फर्मों के माध्यम से खरीद आदेश जारी कर रुपये ट्रांसफर करवाए, वे फर्म आरोपित व उसके साथियों की ही थीं। इस दौरान केवल इनवाइस जारी की गई, लेकिन किसी भी प्रकार का सामान न ही सप्लाई किया गया और न ही खरीदा गया था। आरोपितों ने राशि को अपनी ही कंपनी में ट्रांसफर करवाकर आपस में बांट लिया। इस धोखाधड़ी से आरोपित प्रशांत के हिस्से लगभग 70 लाख रुपये आए थे।आरोपित से उसके साथियों के बारे में गहनता से पूछताछ की जा रही है।

फरीदाबाद में हाईराइज सोसायटी में लगी भीषण आग, 12वें फ्लोर से 14वें फ्लोर तक पहुंची लपटें; 5 फ्लैट हुए तबाह

फरीदाबाद, एजेंसी। सेक्टर-78 स्थित हैबिटेट रेजिडेंट्स सोसायटी में शनिवार देर शाम करीब आठ बजे 12वें फ्लोर पर एक फ्लैट में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग तेजी से फैलते हुए 13वें और 14वें फ्लोर तक पहुंच गई। घटना में कम से कम पांच फ्लैटों को नुकसान हुआ और उनमें रखा घरेलू सामान जलकर राख हो गया। गनीमत रही कि समय रहते लोग फ्लैटों से बाहर निकल आए और किसी के झुलसने की सूचना नहीं है। बताया जा रहा है कि आग लगने के समय फ्लैट मालिक परिवार सहित बाहर गया हुआ था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार फ्लैट के बाहर तुलसी के पौधे में जलाए गए दीये से सूखे पौधे में आग लगी, जो धीरे-धीरे पर्दों तक पहुंच गई। पर्दों में आग लगते ही लपटें तेजी से फैल गईं और ऊपर के फ्लैटों को भी चपेट में ले लिया। आग लगने से सोसायटी में हड़कंप मच गया। आसपास के फ्लैटों में रह रहे लोगों ने तुरंत अलार्म बजाया और अन्य निवासियों को बाहर निकलने के लिए कहा। कई लोग अपने घरों से जरूरी सामान लेकर बाहर भागे, जबकि कुछ लोग आग बुझाने के प्रयास में जुट गए। इसी दौरान सोसायटी का आटोमेटिक फायर फाइटिंग सिस्टम सक्रिय हो गया, जिससे पानी का छिड़काव शुरू हो गया और आग को फैलने से रोकने में मदद मिली। निवासियों और आटोमेटिक सिस्टम के संयुक्त प्रयास से आग पर काबू पा लिया गया। आग के बाद सुरक्षा के मद्देनजर लोग अपने फ्लैटों से निकलकर सोसायटी के पार्क में एकत्र हो गए। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन कई फ्लैटों में धुआं भरने और आग से नुकसान होने की बात सामने आई है। जब फायर ब्रिगेड पहुंची तब तक आग बुझ चुकी थी। बीपीटीपी थाने के पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी।

भ्रष्टाचार पर वार से सत्ता पर प्रहार की रणनीति पर भाजपा

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल की सियासत में भ्रष्टाचार एक बार फिर केंद्रीय मुद्दा बनकर उभरा है। भाजपा इसे विधानसभा चुनाव में अपने सबसे धारदार और निर्णायक हथियार के रूप में पेश कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में सामने आए घोटालों और भ्रष्टाचार के मामलों को पार्टी महज आरोपों तक सीमित नहीं रख रही, बल्कि इन्हें ÷व्यवस्था परिवर्तन%% की अनिवार्यता से जोड़ते हुए जनता के बीच एक व्यापक राजनीतिक नैरेटिव में बदल रही है। बीते चार-पांच वर्षों में सामने आए विभिन्न मामलों में सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस के कई नेताओं की गिरफ्तारी ने इस मुद्दे को और धार दी है। शिक्षक भर्ती और पालिका भर्ती घोटालों में रिश्वत लेकर अयोग्य उम्मीदवारों की नियुक्ति के आरोप लगे, जबकि राशन घोटाले में गरीबों के हिस्से का अनाज बाजार में बेचने की बात सामने आई। वहीं कोयला और मवेशी

क्या घोटालों की गूंज बदल देगी बंगाल की राजनीति?

तस्करी जैसे मामलों को भी भाजपा संगठित भ्रष्टाचार की मिसाल के तौर पर उछाल रही है। भाजपा इन सभी मामलों को एक व्यापक संदेश में पिरो रही है यानी ÷भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक लड़ाई%% और ÷व्यवस्था परिवर्तन की जरूरत%%। भाजपा एक ओर टीएमसी सरकार पर सीधे हमले कर रही है तो दूसरी ओर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई को भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक लड़ाई के रूप में प्रचारित कर रही है। पार्टी के शीर्ष नेता लगातार रैलियों, प्रेस कांफ्रेंस और इंटरनेट मीडिया के जरिए यह संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि बंगाल में भ्रष्टाचार अब संस्थागत रूप ले चुका है। सत्ताधारी दल के मंत्री, नेता इनमें प्रत्यक्ष रूप से जुड़े पाए गए हैं। हाल में बंगाल के दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं ने अपने भाषणों में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सबसे ज्यादा जोर दिया। भाजपा का मानना है कि केवल आरोपों से चुनाव नहीं जीते जाते। इसलिए वह भ्रष्टाचार के मुद्दे को आम जनता के रोजमर्रा के जीवन से जोड़ने की कोशिश कर रही है। पार्टी यह नैरेटिव बना रही है कि भ्रष्टाचार ने अवसर छीन लिए हैं। इस भावनात्मक अपील को वह चुनाव में असरदार बनाने में जुटी है। रवींद्र भारती विश्वविद्यालय के प्रोफेसर बिश्वनाथ चक्रवर्ती का मानना है कि बंगाल की आगामी चुनावी लड़ाई में भ्रष्टाचार एक केंद्रीय मुद्दा बना रहेगा। भाजपा इसे अपने सबसे तेज हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है, लेकिन इसकी धार कितनी प्रभावी साबित होगी, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि वह जनता को कितनी मजबूती से यह यकीन दिला पाती है कि बदलाव वास्तव में जरूरी है और संभव भी। बंगाल में भाजपा डबल इंजन सरकार के अपने पुराने फार्मूले को भी नए सिरे से सामने रख रही है। भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि मौजूदा सरकार न केवल भ्रष्ट है, बल्कि विकास में भी बाधक है। हालांकि वहीं टीएमसी इन आरोपों को राजनीतिक बदले की कार्रवाई करार दे रही है और भाजपा पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगा रही है।

नोएडा एयरपोर्ट के मुआवजे की एफडी तोड़ तोड़कर साइबर ठगों ने उड़ाए लाखों रुपये

जेवर (ग्रेटर नोएडा), एजेंसी। कोतवाली क्षेत्र के कुरैव गांव में एक किसान परिवार के खाते से साइबर ठगों ने एफडी तोडकर लाखों रूपये निकाल लिये। मोबाईल पर रूपये कटने का मैसेज आने पर किसान के होश उड गये। पीडित ने बैंक के टोल फ्री नम्बर पर काल कर घटना की जानकारी दी जिसके बाद खाते में जमा अन्य राशि को ठगों से बचाया जा सका।

किसान ने दर्ज कराई शिकायत

पीडित ने कोतवाली पुलिस से शिकायत कर मदद की गुहार लगाई है। पीड़ित तनवीर ने कोतवाली पुलिस से शिकायत करते हुये बताया कि एयरपोर्ट परियोजना के अंर्तगत उसे तथा उसकी मां को मिले मुआवजे से उन्होने पांच मार्च को जेवर के खुर्जा रोड स्थित एक निजी बैंक में अपनी पत्नि गोल्डी के नाम पर तीस लाख रूपये की एफडी कराई थी।

26 मार्च की शाम को उसकी पत्नि की एफडी को तोड़कर चार अलग अलग खातों में दो दो लाख रूपये ट्रांसफर किये जाने का मैसेज उसके फोन पर आया। जिसके बाद पीडित ने बैंक कर्मियों के फोन पर जानकारी का प्रयास किया,लेकिन फोन बंद मिला। उसके बाद पीडित ने बैंक के कस्टमर केयर नम्बर पर काल कर कटौती की जानकारी दी। पीडित के खाते को बैंक द्वारा फ्रीज कर दिया गया।

पीडित ने 27 मार्च को बैंककर्मियों पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुये कोतवाली पुलिस से शिकायत कर कार्यवाही की गुहार लगाई। पुलिस द्वारा की गई प्राथमिक में जांच में साइबर ठगों द्वारा पीडिता की एफडी को तोडकर अलग अलग राज्यों में चार खातों में दो दो लाख रूपये ट्रसंसफर किये हैं। जिनमें से ज्यादातर रूपयों को ठगों द्वारा निकाल लिया गया है। उक्त खातों में बची हुई शेष धनराशि को फ्रीज करा दिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पत्नी के नाम से कराई थी एफडी

पीड़ित का आरोप है कि उसने अपने परिचित के माध्यम से उक्त बैंक में पत्नि के नाम से एफडी कराई थी। एफडी होने के तीन चार दिन बाद से ही उसके फोन पर आधार कार्ड से समबंधित ओटीपी व अन्य मैसेज आ रहे थे। जिसकी जानकारी उसने बैंक में कार्यरत अपने परिचित व अन्य बैंककर्मियों को दी थी। बैंक अधिकारियों ने उसकी शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया गया। अगर उसकी बातों को गंभीरता से लिया जाता तो उसके साथ ठगी नहीं हो पाती।

फरीदाबाद क्लब में मारपीट: मालिक सहित दो गिरफ्तार, अन्य आरोपियों की तलाश जारी

फरीदाबाद, एजेंसी। ग्रेटर फरीदाबाद ओमैक्स वर्ल्ड स्ट्रीट स्थित वायु क्लब में बृहस्पतिवार रात पार्टी के दौरान युवतियों और उनके दोस्तों से मारपीट के मामले में बीपीटीपी थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर क्लब मालिक सेक्टर-21 निवासी रिषिन चितकारा सहित एक अन्य एनआइटी दो निवासी ध्रुव को गिरफ्तार कर लिया है। बाकी आरोपितों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने इस मामले में रिषिन के अलावा 10-12 अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया हुआ है। सेक्टर-21ए निवासी बिल्डर रमन ग्रोवर ने शिकायत दी थी कि कनाडा में ग्रेजुएशन कर रही उनकी बेटी महक छुट्टियां में घर आई हुई है। 26 मार्च को उसके जन्मदिन के अवसर पर रमन ने ओमैक्स वर्ल्ड स्ट्रीट में वायु क्लब बुक किया था। वहां पार्टी के दौरान आरोपितों ने महक, उसकी सहेलियों व दोस्तों के साथ बदसुलूकी की। बेटी का फोन आने पर रमन ग्रोवर मौके पर पहुंचे तो उन सहित सभी को पीटा गया। इस झगड़े की वीडियो रिकॉर्डिंग भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रही है। यह सारा विवाद वहां चल रहे म्यूजिक में गाना बदलने को लेकर हुआ था। बीपीटीपी थाना प्रभारी अरविंद का कहना है कि दूसरे पक्ष ने कोई शिकायत नहीं दी है। बाकी आरोपितों की तलाश की जा रही है, उन्हें भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

हमलों से टूटी ईरान की कमर: रजा पहलवी ने ट्रंप को कहा शुक्रिया

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान के निर्वासित राजकुमार रजा पहलवी ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि ईरान के मौजूदा शासन को पूरी तरह से खत्म करना होगा। उनके अनुसार, सत्ता का यह बदलाव बहुत ही व्यवस्थित तरीके से होगा। पहलवी ने यह बात अमेरिका के टेक्सास में आयोजित कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस के दौरान कही है। पहलवी ने ईरान के शासन को कमजोर करने के लिए अमेरिकी सैन्य अभियानों की जमकर तारीफ की। उन्होंने मिडनाइट हैमर और एपिक फ्यूरी जैसे अभियानों का जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि इन हमलों की वजह से ईरान की सत्ता पर काबिज लोग बहुत कमजोर हो गए हैं।

पहलवी के मुताबिक, इन सैन्य कार्रवाइयों में सर्वोच्च नेता अली खामेनेई और उनके कई करीबी साथी मारे गए हैं। इसके अलावा, ईरान की 80 प्रतिशत से ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइलों का भंडार और परमाणु ठिकाने भी नष्ट हो गए हैं। उन्होंने इन कार्रवाइयों के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी सेना का आभार जताया। पहलवी ने कहा कि ट्रंप के मजबूत इरादों और अमेरिकी सैनिकों की बहादुरी ने लाखों ईरानियों को एक मौका दिया है। अब वे दशकों से चले आ रहे दमन और अस्थिरता को खत्म करने के लिए लड़ सकते हैं। पहलवी ने चेतावनी दी कि अगर मौजूदा शासन का थोड़ा भी हिस्सा बचा रह गया, तो खतरा कभी खत्म नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जो लोग 47 साल से अराजकता फैला रहे हैं, उन पर शांति या सुधार के लिए भरोसा नहीं किया जा सकता।

युद्ध में सबकुछ हो रहा तबाह: तेहरान यूनिवर्सिटी पर हमले के बाद तनाव, तेल-ऊर्जा के बाद विश्वविद्यालय निशाने पर

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने अमेरिका और इस्राइल से जुड़े विश्वविद्यालयों को लेकर बड़ा और सख्त बयान जारी किया है। आईआरजीसी ने चेतावनी दी है कि क्षेत्र में स्थित अमेरिकी और इस्राइली विश्वविद्यालय अब वैध निशाना बन सकते हैं। ईरानी सरकारी मीडिया आईआरआईबी के अनुसार, ने आरोप लगाया कि अमेरिका और इस्राइल ने हाल के दिनों में ईरान के शैक्षणिक संस्थानों और सांस्कृतिक ढांचे को निशाना बनाया है। अपने बयान में दावा किया कि तेहरान स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर बमबारी की गई। संगठन ने इसे बार-बार किया जा रहा हमला बताते हुए अमेरिकी-इस्राइली ताकतों पर गंभीर आरोप लगाए। बयान में कहा गया कि यदि यह हमले नहीं रुके, तो पश्चिम एशिया में स्थित अमेरिकी और इस्राइली विश्वविद्यालयों को निशाना बनाया जा सकता है। छात्रों और स्टाफ के लिए चेतावनी आईआरजीसी ने इन विश्वविद्यालयों के छात्रों, शिक्षकों और आसपास रहने वाले लोगों को भी चेतावनी दी है। संगठन ने सलाह दी है कि लोग इन परिसरों से कम से कम एक किलोमीटर की दूरी बनाए रखें, ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इसके साथ ही आईआरजीसी ने अमेरिका से मांग की है कि वह 30 मार्च (तेहरान समय) तक ईरानी विश्वविद्यालयों पर हमलों की निंदा करे, अन्यथा जवाबी कार्रवाई की जाएगी। झ

ईरान का बड़ा आरोप~ शिक्षा और संस्कृति पर हमल ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई ने भी अमेरिका और इस्राइल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश जानबूझकर ईरान के वैज्ञानिक ढांचे और सांस्कृतिक विरासत को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने इस्फहान यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी और तेहरान की यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी का उदाहरण देते हुए कहा कि पिछले 30 दिनों में कई शैक्षणिक और शोध संस्थानों पर हमले हुए हैं।

मेरिकी सैनिकों की तैनाती पर ईरानी मीडिया की चेतावनी

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य बलों की बढ़ती तैनाती के बीच, ईरानी अंग्रेजी अखबार तेहरान टाइम्स ने वॉशिंगटन को चेतावनी भरा संदेश दिया है। अखबार ने शनिवार के अंक के पहले पृष्ठ पर बड़े अक्षरों में लिखा वेलकम टू हेल और चेताया कि जो भी अमेरिकी सैनिक इरानी क्षेत्र में प्रवेश करेंगे, वे सिर्फ ताबूत में लौटेंगे। अखबार की चेतावनी के ठीक समय पर लगभग 3,500 अमेरिकी मरीन सैनिक पश्चिम एशिया में अमेरिका के सेंट्रल कमांड क्षेत्र में तैनात किए गए। मरीन सैनिक त्रिपोली के जरिए जापान से रवाना किए गए, जो अमेरिका के सबसे बड़े अम्फीबियस असॉल्ट जहाजों में से एक है। यह कदम पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य शक्ति बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह तैनाती खर्ग द्वीप को कब्जे में लेने के लिए अमेरिकी ऑपरेशन की तैयारी हो सकती है। यह द्वीप रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है और इसी महीने पहले भी ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के तहत इसका निशाना बनाया गया था। अमेरिकी बलों ने अब तक 11,000 से अधिक लड़ाकू उड़ानों को अंजाम दिया है और 150 से अधिक ईरानी जहाजों को क्षतिग्रस्त या नष्ट किया गया है।

हमारी कार्रवाई से और तेज होगा आईडीएफ का पतन, सैनिकों की कमी से जूझ रहे इस्राइल को ईरान की खुली धमकी

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जंग का दायरा खतरनाक स्तर तक फैल चुका है। अमेरिका और इस्राइल के हमलों के बीच ईरान भी आक्रामक रुख अपनाए हुए है। ऐसे में बड़ा सवाल है, क्या यह संघर्ष और भयानक होने वाला है? क्या वाकई में इस्राइल सेना की कमी से जुझ रहा है? और क्या ईरान की रणनीति हालात को पूरी तरह बदल सकती है? पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयानक होता जा रहा है।

अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से क्षेत्र में आग का तूफान है। दूसरी ओर ईरान ने भी खाड़ी देशों मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों और इस्राइल में भयंकर और सटीक हमला कर चारों तरफ धुंआ-धुंआ कर रखा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब 30वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव और भय का माहौल काबू से बाहर है। इसी बीच अब ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने इस्राइल को कड़ी चेतावनी देते हुए बड़ा बयान दिया है। शनिवार को गालिबाफ ने कहा कि इस्राइल के खिलाफ ईरान की जवाबी कार्रवाई उसकी सेना के पतन को और तेज कर देगी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में उन्होंने आरोप लगाया कि इस्राइल अपनी सेना की आंतरिक कमजोरियों को छिपाने के लिए तनाव बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि ईरान के औद्योगिक ठिकानों पर हमले करके इस्राइल अपने लोगों और सरकार का भरोसा वापस लाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन ऐसा करना उसके लिए उल्टा साबित होगा।

इस्राइल सेना प्रमुख के बयान का किया जिक्र : अपने बयान में गालिबाफ ने इस्राइल के सेना के प्रमुख एयाल जमीर के हालिया बयान का जिक्र करते हुए यह भी कहा कि ईरान की प्रतिक्रिया केवल जवाबी नहीं होगी, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति के तहत होगी, जो इस्राइल की रक्षा व्यवस्था की कमजोरियों को निशाना बनाएगी।

बता दें कि गालिबाफ का यह बयान इस्राइल की सेना के प्रमुख एयाल जमीर की हालिया चेतावनी के बाद आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जमीर ने इस्राइली सरकार को बताया कि सेना पर भारी दबाव है और अगर जल्द कदम नहीं उठाए गए, तो इस्राइली सेना अंदर से टूट सकती है।

क्या सेनाओं की कमी से जूझ रहा इस्राइल : इतना ही नहीं जारी संघर्ष के बीच इस्राइली सेना प्रमुख ने एयाल जमीर ने सरकार से नए भर्ती कानून, रिजर्व ड्यूटी से जुड़े नियम और अनिवार्य सैन्य सेवा की अवधि बढ़ाने की मांग की है।

गौरतलब है कि 2023 अक्तूबर के बाद शुरू हुए गाजा युद्ध के कारण इस्राइल की सेना पर लगातार दबाव बढ़ा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सेना इस समय करीब 12,000 सैनिकों की कमी से जूझ रही है। दूसरी ओर करीब 80000 अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स युवा सेना में भर्ती के योग्य हैं, लेकिन अब तक शामिल नहीं हुए हैं, जिससे समस्या और बढ़ रही है। इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि इस्राइल में इस समस्या को और गंभीर बना रहा है वहां भर्ती को लेकर चल रहा राजनीतिक विवाद। इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स समुदाय के कई युवाओं को लंबे समय से सेना में छूट मिलती रही है, हालांकि 2024 में अदालत ने इस छूट को अवैध करार दिया था। इसके बावजूद बड़ी संख्या में युवा अभी भी सेना में शामिल नहीं हुए हैं। कुल मिलाकर, एक तरफ ईरान इस्राइल की सैन्य स्थिति को कमजोर बता रहा है, वहीं दूसरी तरफ इस्राइल के अंदर से भी सेना पर बढ़ते दबाव और संसाधनों की कमी की बात सामने आ रही है, जिससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ता दिख रहा है।

चुरहट अस्पताल का निरीक्षण- दवा आपूर्ति, स्वच्छता व डॉक्टरों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने चुरहट स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया और अस्पताल में दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया इस दौरान कलेक्टर ने अस्पताल में दवाइयों के स्टॉक की जांच की और पाया कि कुछ आवश्यक दवाओं की कमी है उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) को शीघ्र इन दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कलेक्टर ने अस्पताल परिसर की स्वच्छता व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया और कहा कि अस्पताल में मरीजों को बेहतर और सुरक्षित वातावरण मिलना चाहिए उन्होंने अस्पताल प्रशासन से नियमित रूप से साफ-सफाई सुनिश्चित करने के लिए कड़े निर्देश दिए, क्योंकि स्वच्छता स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में अहम भूमिका निभाती है। इसके अलावा, कलेक्टर ने डॉक्टरों की नियमित उपस्थिति को लेकर स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी चिकित्सक ओपीडी में नियमित रूप से उपस्थित रहें और अपने मुख्यालय में निवास सुनिश्चित करें ताकि मरीजों को समय पर इलाज मिल सके और अस्पताल में किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों की अनुपस्थिति से मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है जिसे किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। कलेक्टर ने उपखंड अधिकारी चुरहट विकास आनंद को भी निर्देशित किया कि वह अस्पताल का समय-समय पर आकस्मिक निरीक्षण करें ताकि व्यवस्थाओं की सतत निगरानी बनी रहे और अगर कोई लापरवाही हो तो त्वरित कार्रवाई की जा सके। इस तरह के निरीक्षणों से अस्पताल प्रशासन को कार्य में तत्परता बनाए रखने का संदेश मिलेगा कलेक्टर मिश्रा ने अंत में कहा कि आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए हर संभव कदम उठाने का आश्वासन दिया।

कुसमी तहसील के कर्मचारी को कलेक्टर ने जारी किया कारण बताओ नोटिस

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। तहसील कुसमी में पदस्थ कार्यालय सहायक सह डाटा एंट्री ऑपरेटर टीकम प्रसाद पनिका के विरुद्ध अनुशासनहीनता के आरोप में कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है यह कार्रवाई कर्मचारी द्वारा किए गए अनुशासनहीन व्यवहार के मद्देनजर की गई है कलेक्टर ने बताया कि संबंधित कर्मचारी पर आरोप है कि वह नशे की हालत में अपने सहकर्मी के साथ अनुचित व्यवहार कर रहा था और शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न कर रहा था इसके अलावा कर्मचारी लगभग एक माह से बिना अनुमति के अनुपस्थित भी पाया गया है जो कि सरकारी कार्यों में रुकावट डालने और उसकी जिम्मेदारियों से भागने का स्पष्ट उदाहरण है यह प्रकरण कलेक्टर कार्यालय के लिए गंभीर चिंता का विषय है, क्योंकि सरकारी कर्मचारियों द्वारा इस प्रकार का व्यवहार न केवल प्रशासन की छवि को धूमिल करता है बल्कि आम जनता को भी प्रशासनिक कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ता है इस मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने संबंधित कर्मचारी को 7 दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं यदि कर्मचारी द्वारा उपयुक्त स्पष्टीकरण नहीं प्रस्तुत किया जाता है तो नियमानुसार कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर विकास मिश्रा ने यह भी कहा कि इस तरह के मामलों में शीघ्रता से कार्रवाई करना जरूरी है ताकि प्रशासनिक कार्यों में कोई रुकावट न आए और सरकारी कर्मचारियों के व्यवहार को अनुशासन के दायरे में रखा जा सके उन्होंने यह भी बताया कि तहसील कार्यालय में सभी कर्मचारियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने कार्यों में पूरी निष्ठा और ईमानदारी से लगे रहें ताकि जनता को बेहतर सेवाएं मिल सकें। प्रशासन की यह कार्रवाई कर्मचारियों के अनुशासन बनाए रखने के लिए एक सख्त संदेश है कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

वित्तीय वर्ष अंत से पहले राजस्व लक्ष्य हासिल करने के कलेक्टर के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के समापन से पहले सभी संबंधित विभागों को राजस्व वसूली में तेजी लाने और निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शेष समय में सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करते हुए लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण करें ताकि राजस्व संग्रहण में किसी प्रकार की शिथिलता न हो और लक्ष्य समय पर पूरा हो सके कलेक्टर ने विशेष रूप से स्वरोजगार योजनाओं की समीक्षा की और संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत स्वीकृत लक्ष्यों को समय-सीमा में पूरा किया जाए उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्रदान करना प्राथमिकता होनी चाहिए और इसके लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी है इसके अलावा कलेक्टर ने सभी विभागों से लंबित देयकों को समय पर प्रस्तुत करने और उनका त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वित्तीय अनुशासन बनाए रखते हुए सभी भुगतान और देयक प्रक्रियाएं समय-सीमा के भीतर पूरी की जाएं, ताकि वित्तीय वर्ष के अंत से पहले सभी कार्य संपन्न हो सकें और सरकारी कोष पर कोई अतिरिक्त दबाव न पड़े। कलेक्टर मिश्रा ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी प्रकार की लापरवाही या विलंब की स्थिति उत्पन्न होती है तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जिले में पेट्रोल, डीजल एवं घरेलू गैस की पर्याप्त उपलब्धता, अफवाहों से बचने की अपील

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस की उपलब्धता को लेकर प्रशासन द्वारा सतत निगरानी रखी जा रही है आपूर्ति व्यवस्था पर लगातार नजर रखने के साथ-साथ प्रशासन ने आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं ताकि किसी भी प्रकार की आपूर्ति की कमी न हो। पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता की नियमित मॉनिटरिंग प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी प्रियल यादव द्वारा की जा रही है इस क्रम में 28 मार्च 2026 को 05 पेट्रोल पंपों-विजय फिलिंग, गंगा फ्यूल्स, सतगुरु फिलिंग, रघु फिलिंग और बजरंग फिलिंग (कुसमी)-का निरीक्षण किया गया इसके अलावा 29 मार्च 2026 को यशराज फिलिंग का भी निरीक्षण किया गया निरीक्षण

के दौरान सभी पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध पाया गया। साथ ही तेल कंपनियों द्वारा आवश्यकतानुसार निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है ताकि किसी प्रकार की आपूर्ति की कमी न हो और नागरिकों को परेशानी का सामना न करना पड़े। अधिकारियों के मुताबिक, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति की स्थिति पूरी तरह से सामान्य है और इसमें किसी भी प्रकार की रुकावट नहीं है साथ ही यह भी बताया गया कि घरेलू गैस की आपूर्ति भी निरंतर जारी है और गैस सिलेंडरों की कमी का कोई सवाल नहीं है। इस संदर्भ में जिला प्रशासन ने जिले के समस्त नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। अफवाहों के कारण अनावश्यक रूप से पंपों पर भीड़ न बढ़े और आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित न हो। नागरिकों से यह भी अनुरोध किया गया है कि वे अपनी वास्तविक आवश्यकता के अनुसार ही पेट्रोल/डीजल भरवाएं, ताकि आपूर्ति में कोई विघ्न न आये और सभी को आवश्यकता के अनुसार ईंधन मिल सके। दूसरी ओर, पेट्रोल पंपों पर आवश्यक सतर्कता बरती जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की आपूर्ति संकट का सामना न करना पड़े और जिले के नागरिकों को किसी तरह की कठिनाई न हो।

तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवारों को कुचला,दो युवक गंभीर घायल

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। अमलाई थाना क्षेत्र में बीती रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ शारदा ओसीएम तिराहा के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात ट्रेलर ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी इस हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए टक्कर मारने के बाद चालक ट्रेलर सहित मौके से फरार हो गया हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया स्थानीय निवासियों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की घायलों की पहचान बकही निवासी प्रिंस यादव (पिता बुद्धु लाल यादव) और निखिल महरा (पिता जीवन महरा) के रूप में हुई है डॉक्टरों के अनुसार, प्रिंस यादव की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है उसके दोनों पैर और कमर की हड्डी टूट गई है, जिसके कारण उसे बेहतर इलाज के लिए जबलपुर रेफर किया गया है वहीं निखिल महरा के पैर में फ्रैक्चर है और उसका इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है घटना के बाद अमलाई पुलिस ने अज्ञात ट्रेलर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

चार्जिंग के दौरान ई-स्कूटी ब्लास्ट,सरकारी सुपरवाइजर का घर जला, बेटी की शादी का सामान भी राख

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले के धनपुरी वार्ड नंबर 12 में शनिवार रात चार्जिंग पर लगी ई-स्कूटी की बैटरी फटने से आग लग गई। इस हादसे में महिला बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर सुनीता रजक का घर जल गया घर के पहले कमरे में स्कूटी चार्ज हो रही थी तभी अचानक जोरदार धमाका हुआ देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और मुख्य दरवाजे सहित पूरे कमरे को चपेट में ले लिया। जान बचाने के लिए परिवार के लोगों को दीवार फांदकर बाहर निकलना पड़ा किचन में रखे दो गैस सिलेंडर भी आग की जद में आ गए थे, लेकिन पड़ोसियों ने सूझबूझ दिखाते हुए उन्हें समय रहते

बाहर निकाल लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। इस घटना में घर का सारा कीमती सामान तबाह हो गया। घर में रखी दो बाइक, ई-स्कूटी, लाखों के जेवर और करीब दो लाख रुपए नकद जल गए। सबसे ज्यादा दुखद यह रहा कि 21 अप्रैल को होने वाली बेटी की शादी के लिए खरीदा गया सारा सामान भी खाक हो गया हादसे की तीव्रता इतनी थी कि घर के मंदिर की मूर्तियां और एक्वेरियम की मछलियां भी नहीं बच सकीं। करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका लेकिन तब तक सब कुछ खत्म हो चुका था। अमलाई थाना प्रभारी भूपेंद्र मणि पाण्डेय ने बताया कि आगजनी का केस दर्ज कर लिया गया है और घटना के कारणों की बारीकी से जांच की जा रही है।

नई गाइडलाइन दरों को मंजूरी, 1 अप्रैल से बदलेगा संपत्ति मूल्यांकन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला सीधी में अचल संपत्तियों के बाजार मूल्य निर्धारण के लिए नई गाइडलाइन दरों को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है, जो 01 अप्रैल 2026 से प्रभावी होंगी इन दरों को कलेक्टर एवं अध्यक्ष, जिला मूल्यांकन समिति द्वारा अनुमोदित किया गया है मध्यप्रदेश बाजार मूल्य मार्गदर्शक सिद्धांत (गाइडलाइन) वर्ष 2026-27 का निर्धारण मध्यप्रदेश बाजार मूल्य मार्गदर्शक सिद्धांत नियम, 2018 के अंतर्गत किया गया है इस संबंध में केन्द्रीय मूल्यांकन बोर्ड की बैठक 26 मार्च 2026 को भोपाल में आयोजित की गई, जिसमें आगामी वित्तीय वर्ष के लिए अचल संपत्तियों के बाजार मूल्य से संबंधित प्रावधानों को मंजूरी दी गई जिला स्तर पर 12 मार्च 2026 को आयोजित जिला मूल्यांकन समिति की बैठक में गाइडलाइन दरों के पुनर्मूल्यांकन प्रस्ताव पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया इस बैठक में विधायक रीती पाठक ने कहा कि यह विषय आम जनता और शासन के राजस्व से सीधे जुड़ा है इसलिए पारदर्शिता के साथ वास्तविक बाजार मूल्य के अनुरूप दरें तय की जानी चाहिए साथ ही स्थानीय परिस्थितियों और विकास कार्यों को ध्यान में रखते हुए दरों को निर्धारित किया गया बैठक के बाद इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई।

नवोदय विद्यालय चुरहट में कलेक्टर का निरीक्षण, विद्यार्थियों से संवाद कर लिया फीडबैक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री जवाहर नवोदय विद्यालय, चुरहट में कलेक्टर विकास मिश्रा ने विद्यालय का निरीक्षण किया और विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान कलेक्टर ने प्राचार्य डॉ. डी.के. त्रिपाठी, उप प्राचार्य सुबोध कुमार तिवारी और अकादमिक प्रभारी रुपेश चौधरी से चर्चा की, जिसमें उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, शैक्षणिक वातावरण और स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर ने विद्यार्थियों से संवाद किया और उनका फीडबैक लिया विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए उन्होंने उनके उज्जवल भविष्य के लिए प्रोत्साहित किया कलेक्टर ने

विद्यालय में गर्ल्स बाउंड्री वॉल एवं पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने डीएमएफ फंड के उपयोग, स्वच्छता, लाइब्रेरी, विद्युत व्यवस्था, विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य, परीक्षा प्रबंधन और विद्यालय संचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्यार्थियों की सुविधाओं और समस्याओं के समाधान में तत्परता बरती जाए इस अवसर पर उपखंड अधिकारी चुरहट विकास आनंद सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। विद्यालय प्रबंधन समिति के अभिभावक सदस्य प्रवेश कुमार पांडे से भी कलेक्टर ने चर्चा की, जिन्होंने विद्यालय में हो रहे सुधारात्मक कार्यों की सराहना की।

आपदा प्रबंधन एवं रेस्क्यू प्रशिक्षण से सशक्त होंगे स्थानीय प्रशिक्षक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और आपदा प्रबंधन संस्थान भोपाल के सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, संजय गांधी शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, में 5 दिवसीय प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है इस कार्यक्रम में स्थानीय प्रशिक्षकों को भूकंप, बाढ़, आकाशीय बिजली, सर्पदंश, आगजनी, लू-ताप, और सड़क दुर्घटनाओं से बचाव तथा रेस्क्यू प्रबंधन पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया जा रहा है कार्यक्रम का संचालन अपर कलेक्टर बी.पी. पांडेय और एसडीएम राकेश शुक्ला के मार्गदर्शन में किया गया, जबकि नोडल अधिकारी एल.बी. कोल (जिला कमांडेंट, होमगार्ड) के निर्देशन में इस कार्यशाला का आयोजन

हुआ। प्रशिक्षण का संचालन डिप्टी कलेक्टर प्रियल यादव द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान आपदा प्रबंधन की अवधारणा, भूकंप के कारण और प्रभाव, आपदा के दौरान और बाद में बरती जाने वाली सावधानियां आग से सुरक्षा, बाढ़ और डूब की स्थिति, आकाशीय बिजली, सर्पदंश और लू-ताप से बचाव के व्यावहारिक उपायों पर विशेष ध्यान दिया गया साथ ही, प्रतिभागियों से उनके क्षेत्र में संभावित आपदाओं के बारे में जानकारी ली गई और समाधान आधारित चर्चा की गई इस कार्यशाला में विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं, नोडल संस्था गीतांजलि जन कल्याण समिति, जूही शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति, महाविद्यालय स्टाफ, कलेक्ट्रेट राहत आपदा शाखा के प्रतिनिधियों और रामबली पनिका ने सक्रिय भागीदारी की। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को अध्ययन सामग्री भी प्रदान की गई और स्वल्पाहार एवं भोजन की समुचित व्यवस्था की गई यह कार्यशाला स्थानीय प्रशिक्षकों को आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में सक्षम बनाने और क्षेत्रीय समुदायों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित की गई है। कलेक्टर ने इस कार्यशाला के आयोजन को सराहते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से न केवल आपदा के समय त्वरित प्रतिक्रिया देने में मदद मिलेगी बल्कि समुदाय में आपदा प्रबंधन की समझ भी बढ़ेगी जिससे दुर्घटनाओं के दौरान जनहानि को कम किया जा सकेगा।

दीवार में सेंध लगाकर घर में घुसे चोर,नकदी-जेवर लेकर फरार

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। बुढार थाना क्षेत्र में चोरी की एक अनोखी घटना सामने आई है यहां रामजानकी मंदिर वार्ड नंबर 10 निवासी दीपक साहू के घर में चोरों ने दीवार तोड़कर लाखों के जेवर और नकदी चुरा ली। हैरानी की बात यह है कि वारदात के समय परिवार के सदस्य घर के आंगन में सो रहे थे और कमरों में बाहर से ताला लगा हुआ था पुलिस के अनुसार, यह घटना बुढार थाना क्षेत्र की है। गर्मी के कारण परिवार के सभी सदस्य रात में घर के आंगन में सो रहे थे उन्होंने कमरों के दरवाजों में बाहर से ताला लगा दिया था। चोरों ने घर के पीछे की दीवार में सेंध लगाई और अंदर घुस गए सुबह जब परिवार के लोग उठे तो दरवाजों पर ताले वैसे ही लगे थे अंदर जाकर देखने पर उनके होश उड़ गए चोरों ने कमरे में रखी अलमारी का ताला तोड़ दिया था और उसमें रखे जेवरात व नकदी लेकर फरार हो गए थे कमरे का सामान बिखरा पड़ा था और दीवार में एक बड़ा छेद मिला जिससे चोर अंदर आए थे। पीड़ित दीपक साहू ने बताया कि चोर लगभग 3 तोला सोने के जेवरात, आधा किलो चांदी के जेवरात और करीब 25 हजार रुपए नकद ले गए चोरी गए सामान की कुल कीमत लगभग 5 लाख रुपए बताई जा रही है घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्षेत्र में लगातार हो रही चोरियों से लोगों में डर का माहौल बना हुआ है और उन्होंने पुलिस से गश्त बढ़ाने की मांग की है।

प्रगति को नए पंख, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण का उद्घाटन

संपादकीय

प्रधानमंत्री मोदी ने जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण का उद्घाटन किया, इसे भारत की नई ऊर्जा का प्रतीक बताया। यह दिल्ली हवाई अड्डे का दबाव कम करेगा और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की कनेक्टिविटी बढ़ाएगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण का उद्घाटन करते हुए इसे उचित ही भारत की नई ऊर्जा का प्रतीक कहा। इस एयरपोर्ट की आवश्यकता केवल इसलिए नहीं बढ़ गई थी, क्योंकि दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दबाव बहुत बढ़ गया था। इसकी आवश्यकता इसलिए भी थी ताकि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की कनेक्टिविटी को बल दिया जा सके।

एयरपोर्ट महज आवागमन की सुविधा भर नहीं होते, वे प्रगति को नए पंख भी प्रदान करते हैं। यह एयरपोर्ट एनसीआर के साथ ही उत्तर प्रदेश के एक बड़े क्षेत्र के लिए उपलब्धि भी है और अवसर भी। इसके भरे-पूरे आसार दिख रहे हैं कि नोएडा एयरपोर्ट इस क्षेत्र के विकास को नई गति प्रदान करने के साथ ही यहां के युवाओं एवं कारोबारियों को तरक्की के नए अवसर भी प्रदान करेगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के साथ उत्तर प्रदेश पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों वाला देश का पहला राज्य बन गया है।

निःसंदेह यह भी उत्तर प्रदेश के लिए एक उपलब्धि है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि पिछले कुछ समय से देश में हवाई अड्डों की संख्या तेजी के साथ बढ़ी है। आज से 15 साल पहले देश में लगभग 75 एयरपोर्ट थे, आज उनकी संख्या 160 से अधिक हो चुकी है। इसका सीधा अर्थ है कि देश प्रगति कर रहा है और हवाई संपर्क नए-नए क्षेत्रों तक पहुंच रहा है। आज के युग में यह धारणा सही नहीं कि हवाई यात्रा सिर्फ धनी वर्ग के लिए ही संभव है। वास्तव में अब यह आम आदमी की भी जरूरत बन गई है। इसमें संदेह नहीं कि देश में हवाई यात्रा सुविधा का विस्तार हो रहा है, लेकिन अभी उड्डयन क्षेत्र में काफी कुछ करने की आवश्यकता है। इसका संकेत प्रधानमंत्री के इस कथन से मिलता है कि अभी अपने देश में हवाई जहाजों की सर्विसिंग की पर्याप्त सुविधाएं नहीं हैं। यह आश्चर्यजनक है कि आज भी 85 प्रतिशत हवाई जहाजों को सर्विसिंग के लिए विदेश भेजना पड़ता है। यह अच्छा हुआ कि नोएडा एयरपोर्ट के उद्घाटन के अवसर पर एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर, ओवरहाल) सुविधा का भी उद्घाटन हुआ। यह सुविधा देश के अन्य हवाई अड्डों पर भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इसी के साथ इस पर भी सभी राजनीतिक दलों को आत्मचिंतन करना चाहिए कि आखिर बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाओं की परिकल्पना एवं उनके क्रियान्वयन में इतना अंतर क्यों हो जाता है? नोएडा में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की स्थापना का प्रस्ताव 2001 में राजनाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के तौर पर किया था।

शक्तिशाली सेना बनाम खाली जेब : कूटनीति के चक्रव्यूह में फंसा अमेरिकी स्वाभिमान

दिलीप कुमार पाठक

दुनिया के नक्शे पर जब भी युद्ध की आहट होती है, तो सबसे पहले व्हाइट हाउस की हलचलें तेज हो जाती हैं। लेकिन ये युद्ध अमेरिका के कुछ अलग है, और महंगा भी पड़ रहा है, एक तरफ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर अमेरिकी मिसाइलें ईरान के आसमान को चीर रही हैं, तो दूसरी तरफ पेंसिलवेनिया और ओहायो के गैस स्टेशनों पर खड़ा एक आम अमेरिकी नागरिक अपनी खाली होती जेब देख रहा है। आज की कड़वी सच्चाई यही है कि वाशिंगटन की सैन्य ताकत जितनी बढ़ रही है, वहां के आम आदमी का भरोसा अपनी सरकार और अपनी अर्थव्यवस्था पर उतना ही कम होता जा रहा है। ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका फर्स्ट का नारा तो दिया था, लेकिन आज का मंजर देखकर ऐसा लगता है जैसे युद्ध की जिद ने उस वादे को ही हाशिए पर धकेल दिया है।

राजनीतिक गलियारों में आज ट्रंप की स्थिति किसी मज़ाक से कम नहीं रह गई है। चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने चिल्ला-चिल्लाकर कहा था कि वे अमेरिका को अंतहीन युद्धों से बाहर निकालेंगे, लेकिन आज वे खुद एक नए और भीषण युद्ध के नायक बने बैठे हैं। इसे नियति का क्रूर मजाक ही कहेंगे कि जिस शांति का वादा उन्होंने किया था, उसे उन्होंने मिसाइलों के धुएं में उड़ा दिया है। वैश्विक मंच पर ट्रंप की छवि एक ऐसे नेता की बनती जा रही है जो कहता कुछ है और करता कुछ और है। नाटो देशों को फंडिंग रोकने की धमकी देना और फिर उन्हीं से युद्ध में सहयोग मांगना, उनकी कूटनीतिक अपरिपक्वता को जगजाहिर कर रहा है। आज दुनिया के कई देशों में ट्रंप के विरोधाभासी बयानों पर चर्चा हो रही है और कूटनीति के जानकार इसे हड़बड़ी में लिया गया आत्मघाती कदम बता रहे हैं, हैरानी की बात यह है कि ट्रंप जिस सुपरपावर होने का दंभ भर रहे हैं, उसकी बुनियाद घर के भीतर ही दरक रही है। जब राष्ट्रपति टीवी पर अपनी मिसाइलों की मारक क्षमता गिनाते हैं, तब मिडिल क्लास अमेरिकी अपने बच्चों की स्कूल फीस और घर के किरायों के जुगाड़ में माथापच्ची कर रहा होता है। यह कैसा राष्ट्रवाद है जो अपने ही लोगों को महंगाई की आग में झोंककर विदेशी धरती पर अपनी धाक जमाने की कोशिश कर रहा है? लोग अब दबी जुबान में पूछने लगे हैं कि क्या एक बिजनेसमैन राष्ट्रपति को इतना भी मुनाफा-नुकसान समझ नहीं आता कि जंग की कीमत हमेशा आम लोगों की थाली से वसूली जाती है? ट्रंप का अहंकार आज उन्हें उस मोड़ पर ले आया है जहां उनके अपने समर्थक भी अब उनके फैसलों पर सवालिया निशान लगा रहे हैं। कूटनीति की मेज पर बैठे बड़े खिलाड़ी उनके इस व्यवहार को गंभीरता से लेने के बजाय एक अस्थिर नेतृत्व के रूप में देख रहे हैं। यही वह बिंदु है जहां एक महान देश का मुखिया दुनिया के सामने उपहास का पात्र बन जाता है।

आंकड़ों की बात करें तो स्थिति और भी भयावह है। युद्ध की आहट मात्र से अमेरिका में महंगाई दर ने खतरे के निशान को पार कर लिया है। शेयर बाजार में हर रोज अरबों डॉलर स्वाहा हो रहे हैं। एक आम अमेरिकी परिवार, जो पहले से ही कर्ज के बोझ तले दबा था, अब बढ़ती तेल की कीमतों और महंगे राशन से बेहाल है। वहां के आधे से ज्यादा नागरिक अब यह मानने लगे हैं कि सरकार को अपनी सेना की ताकत दिखाने से ज्यादा अपनी जनता की फिक्र करनी चाहिए। एक ऐसा देश जिसके पास दुनिया को तबाह करने वाली सबसे आधुनिक मिसाइलें तो हैं, लेकिन अपने नागरिकों को सस्ता ईंधन और मानसिक शांति देने का कोई ठोस रास्ता नहीं है। मानवीय नजरिए से देखें तो यह सिर्फ डॉलर और सेंट का मामला नहीं है। यह उस अमेरिकी सपने के टूटने की कहानी है, जिसे दिखाकर वोट मांगे गए थे। युद्ध के मोर्चे पर डटे सैनिकों के परिवार आज डरे हुए हैं, वहीं मध्यम वर्ग के लिए मंदी शब्द अब सिर्फ खबर नहीं, बल्कि उनके घर की दहलीज पर खड़ी हकीकत बन चुका है। ट्रंप की नीतियां आज एक ऐसे चक्रव्यूह में फंस गई हैं, जहां से बाहर निकलने का हर रास्ता या तो और बड़े युद्ध की ओर जाता है या फिर आर्थिक तबाही की ओर। कूटनीति की बिसात पर मोहरे तो हिल रहे हैं, लेकिन जीत का अहसास कहीं गायब है।

भारत सहित वैश्विक शेयर बाजारों व डॉलर के मुकाबले दुनियाँ की मुद्राओं में ऐतिहासिक भारी गिरावट से भारी खलबली मची

क्या दुनियाँ फिर एक आर्थिक तूफ़ान की ओर बढ़ रही है? मुद्रा बाजार और इक्विटी बाजार के बीच गहरा और जटिल संबंध है,जो निवेशकों के निर्णयों को सीधे प्रभावित करता है दुनियाँ में आर्थिक,राजनीतिक और ऊर्जा से जुड़े कई संकट एक साथ आए-शेयर बाज़ार की गिरावट इसक़ा व्यापक प्रतिबिंब -हर संकट के बाद शेयर बाजार ने वापसी की है, बस धैर्य, समझदारी और सही रणनीति की जरूरत है वैश्विक स्तरपर 27 मार्च 2026 का दिन भारतीय शेयर बाज़ार के इतिहास में एक और झटके के रूप में दर्ज हुआ, जब बीएसई सेंसेक्स लगभग 1700 अंकों की भारी गिरावट के साथ बंद हुआ और निफ़्टी 500 के साथ-साथ स्मॉल कैप इंडेक्स में भी 1.74 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

बात केवल यही तक सीमित नहीं रही किसी दिन,जब भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.82 के स्तर तक गिरकर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया।यह गिरावट केवल एक मुद्रा की कमजोरी नहीं थी, बल्कि यह वैश्विक आर्थिक तनाव, भू-राजनीतिक अस्थिरता और निवेशकों की बदलती मानसिकता का प्रतिबिंब भी थी। सुबह 94.18 पर खुलने वाला रुपया दिन के अंत तक और कमजोर होता गया,जो इस बात का संकेत है कि बाजार में नकारात्मक भावनाएं लगातार हावी रहीं। इस पूरे घटनाक्रम को यदि शेयर बाजार के दृष्टिकोण से देखा जाए, तो यह स्पष्ट होता है कि मुद्रा बाजार और इक्विटी बाजार के बीच गहरा और जटिल संबंध है, जो निवेशकों के निर्णयों को सीधे प्रभावित करता है।यह केवल एक दिन की घटना नहीं,बल्कि पिछले कई सप्ताहों से जारी गिरावट की एक कड़ी है,जिसने निवेशकों के मन में गहरी चिंता पैदा कर दी है।इस गिरावट के पीछे केवल घरेलू कारण नहीं हैं,बल्कि वैश्विक स्तरपर उत्पन्न हो रहे संकट विशेषकर ऊर्जा संकट, भू- राजनीतिक तनाव और विदेशी निवेशकों की निकासी ने मिलकर एक ऐसा माहौल तैयार कर दिया है, जो किसी बड़े आर्थिक तूफ़ान की आहट देता है। सवाल यह उठता है कि क्या यह स्थिति फिर से कोविड -19 जैसे वैश्विक संकट की ओर संकेत कर रही है, या यह केवल डर और अफवाहों का परिणाम है?मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र पूरे सप्ताह भर शेयर मार्केट पर नजर रखा और उसका विश्लेषण करते रहा और आज यह अंतिम विश्लेषण निकलाहूं क़ि भारतीय शेयर बाज़ार में हालिया गिरावट के कई प्रमुख कारण हैं। सबसे पहला और महत्वपूर्ण कारण है विदेशी संस्थागत निवेशकों का लगातार पैसा निकालना। जब बड़े विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से पूंजी निकालते हैं,तो इससे बाजार में तरलता कम हो जाती है और कीमतों में तेज गिरावट आती है।इसके साथ ही घरेलू संस्थागत निवेशकों की सीमित क्षमता भी इस गिरावट को रोकने में असमर्थ दिखाई दे रही है। छोटे निवेशकों में डर का माहौल बनता जा रहा है, जिससे वे भी तेजी से अपने निवेश निकालने लगते हैं,और यह एक डोमिनो प्रभाव उत्पन्न करता है। मेरा है व्यक्तिगत मत है कि शेयर बाजार में जो भारी अनिश्चितता और उथल-पुथल मची हुई है वह सीधे-सीधे ईरान इजरायल अमेरिका महायुद्ध में ट्रंप द्वारा दिए गए बयानों के अनुसार अप डाउन हो रहा है जो मैंने पूरे सप्ताह में रेखांकित किया हूं इन सबकी चर्चा हम नीचे सटीकता से पैराग्राफ वॉइस करेंगे।

साथियों बात अगर हम रुपये की गिरावट के पीछे सबसे प्रमुख कारणों में से एक पश्चिमी एशिया में बढ़ता तनाव था, इसको समझने की करें तो इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अस्थिरता का सीधा असर वैश्विक तेल कीमतों पर पड़ता है, और भारत जैसे आयात- निर्भर देश के लिए यह एक बड़ी चिंता का विषय है। कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि से भारत का आयात बिल बढ़ जाता है, जिससे चालू खाता घाटा बढ़ता है और रुपये पर दबाव पड़ता है। जब निवेशक यह देखते हैं कि किसी देश की आर्थिक स्थिति कमजोर हो रही है,तो वे उस देश के बाजार से दूरी बनाने लगते हैं। यही कारण है कि शेयर बाजार में बिकवाली तेज हो जाती है और सूचकांक गिरने लगते हैं।विदेशी निवेशकों की बिकवाली का एक और महत्वपूर्ण कारण अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूती और डॉलर की मजबूती है। जब अमेरिकी डॉलर मजबूत होता है, तो वैश्विक निवेशक सुरक्षित निवेश के लिए अमेरिका की ओर रुख करते हैं। इससे उभरते बाजारों जैसे भारत से पूंजी का बहिर्वाह होता है।इस प्रक्रिया को फ्लाइट टू सेफ्टी कहा जाता है। इसका परिणाम यह होता है कि भारतीय शेयर बाजार में निवेश कम हो जाता है और बाजार में गिरावट आती है।इसके अलावा, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में वृद्धि भी निवेशकों को आकर्षित करती है, जिससे वे जोखिम भरे बाजारों से पैसा निकालकर सुरक्षित विकल्पों में निवेश करने लगते हैं।रुपये की गिरावट का प्रभाव विभिन्न सेक्टरों पर अलग-अलग तरीके से पड़ता है। उदाहरण के लिए, आईटी और फार्मा जैसे निर्यात-उन्मुख सेक्टरों को इससे लाभ होता है, क्योंकि उन्हें डॉलर में भुगतान मिलता है। जब रुपया कमजोर होता है, तो उनकी आय बढ़ जाती है। इसके विपरीत, ऑटोमोबाइल, एविएशन और तेल-आधारित उद्योगों को नुकसान होता है, क्योंकि उनके लिए आयात महंगा हो जाता है। शेयर बाजार में इन सेक्टरों के प्रदर्शन में स्पष्ट अंतर देखने को मिलता है, जो निवेशकों के लिए रणनीतिक निर्णय लेने का आधार बनता है।

साथियों बात अगर हम वैश्विक शेयर बाज़ारों की स्थिति एक तुलनात्मक दृष्टि को समझने की करें तो भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के कई बड़े शेयर बाज़ार इस समय दबाव में हैं।डोव जोनस इंडस्ट्रियल एवरेज में लगातार गिरावट देखी जा रही है,नासडाक कम्पोजिट टेक कंपनियों के कमजोर प्रदर्शन से प्रभावित है,एफटीएसई 100 भी ऊर्जा संकट और महंगाई से जूझ रहा है,इन सभी बाज़ारों में एक समान पैटर्न दिखाई देता है,निवेशकों का विश्वास कम होना,जोखिम से बचने की प्रवृत्ति और सुरक्षित सटीक निवेश विकल्पों की ओर झुकाव। साथियों बात अगर हम,विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा निकासी निकासी:भारतीय बाजार के लिए सबसे बड़ा खतरा इसको समझने की करें तो,विदेशी निवेशकों की निकासी भारतीय शेयर बाज़ार के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी है।जब फॉरेन इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर्स बाजार से पैसा निकालते हैं, तो इससे रुपये पर दबाव पड़ता है,जिससे इंडियन रुपया कमजोर होता है।रुपये की कमजोरी से आयात महंगा होता है, जिससे महंगाई बढ़ती है और अंततः इसका असर आम जनता और कंपनियों दोनों पर सटीक रूप से पड़ता है।

साथियों बात अगर हम छोटे निवेशकों पर प्रभावः भय और भ्रम का माहौल को समझने की करें तो,शेयर बाज़ार की गिरावट का सबसे अधिक असर छोटे निवेशकों पर पड़ता है।वे अक्सर डर के कारण गलत समय पर अपने शेयर बेच देते हैं, जिससे उन्हें भारी नुकसान होता है। सोशल मीडिया और अफवाहों के कारण यह डर और भी बढ़ जाता है।इस समय सबसे बड़ी आवश्यकता है सही जानकारी और धैर्य की, क्योंकि बाजार का स्वभाव ही उतार-चढ़ाव वाला होता है।वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्यादुनियाँ एक नई आर्थिक मंदी की ओर बढ़ रही है।हालांकि अभी इसे पूर्ण रूप से मंदी कहना जल्दबाजी होगी,लेकिन कई संकेत ऐसे हैं जो चिंता बढ़ाते हैं:(1) बढ़ती महंगाई (2) घटती आर्थिक वृद्धि (3) ऊर्जा संकट (4) निवेश में कमी,ये सभी कारक मिलकर एक स्टैगफ्लेशन जैसी भयंकर स्थिति पैदा कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम भारत की स्थितिः चुनौतियां और अवसर को समझने की करें तो,भारत के लिए यह समय चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन पूरी तरह नकारात्मक नहीं है।भारत की मजबूत घरेलू मांग,डिजिटल अर्थव्यवस्था और सरकारी सुधार इसे अन्य देशों की तुलना में बेहतर स्थिति में रखते हैं।फिर भी, वैश्विक संकट का असर भारत पर भी पड़ेगा,और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।इस अस्थिर समय में निवेशकों को घबराने के बजाय सोच-समझकर निर्णय लेने चाहिए।(1)लंबी अवधि के निवेश पर ध्यान दें (2) विविधीकरण अपनाएं (3) अफवाहों से बचें (4) मजबूत कंपनियों में निवेश करें (5) यह समय जोखिम लेने का नहीं, बल्कि संतुलित रणनीति अपनाने का है।यह कहना गलत होगा कि वर्तमान स्थिति केवल अफवाह है। वास्तव में कई ठोस कारण हैं जो इस गिरावट के पीछे हैं।हालांकि, यह भी सच है कि डर और अफवाहें इस स्थिति को और खराब बना देती हैं।इसलिए जरूरी है कि हम तथ्यों और विश्लेषण पर आधारित निर्णय लें।

साथियों बात अगर हम वैश्विक ऊर्जा संकटः आर्थिक अस्थिरता की जड़ वह शेयर मार्केट में अस्थिरता क़ो समझने की करें तो,आज दुनियाँ एक गंभीर ऊर्जा संकट का सामना कर रही है।तेल और गैस की आपूर्ति में बाधाएं,विशेषकर मध्य पूर्व में तनाव,ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को झकझोर दिया है।ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि से उत्पादन लागत बढ़ती है, जिससे कंपनियों के मुनाफे पर सीधा असर पड़ता है। जब कंपनियों का लाभ घटता है,तो उनके शेयरों की कीमत भी गिरती है। यही कारण है कि ऊर्जा संकट का सीधा प्रभाव वैश्विक शेयर बाज़ारों पर देखा जा रहा है। यह स्थिति 1973 ऑइल क्राइसिस की याद दिलाती है,जब तेल की कीमतों में अचानक वृद्धि ने पूरी दुनियाँ की अर्थव्यवस्था को हिला दिया था।

साथियों बात अगर हम क्या संभावित लॉकडाउन की आशंका वास्तविक है? वह शेयर मार्केट पर इसका क्या असर पड़ेगा इसको समझने की करें तो हाल के दिनों में कुछ देशों में ऊर्जा बचाने के लिए सीमित कार्यदिवस, वर्क फ्रॉम होम और सार्वजनिक संस्थानों को बंद करने जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। इससे लोगों के मन में यह डर पैदा हो गया है कि कहीं दुनिया फिर से लॉकडाउन की ओर तो नहीं बढ़ रही।हालांकि, यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि वर्तमान स्थिति कोविड -19 जैसी स्वास्थ्य आपदा नहीं है। यह एक आर्थिक और ऊर्जा आधारित संकट है।फिर भी, यदि ऊर्जा की कमी बढ़ती है और सरकारें कठोर कदम उठाती हैं, तो इसका प्रभाव आर्थिक गतिविधियों पर पड़ेगा, जो अप्रत्यक्ष रूप से लॉकडाउन जैसे हालात पैदा कर सकता है। जिससे स्वाभाविक रूप से शेयर मार्केट और गिरता चला जाएगा जिसके लिए निवेशकों को तैयार रहना होगा।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि अनिश्चितता का दौर,लेकिन अवसर भी मौजूद आज दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां आर्थिक, राजनीतिक और ऊर्जा से जुड़े कई संकट एक साथ सामने आ रहे हैं।शेयर बाज़ार की गिरावट इस व्यापक संकट का एक प्रतिबिंब है।हालांकि स्थिति गंभीर है, लेकिन यह अंत नहीं है। इतिहास गवाह है कि हर संकट के बाद बाजार ने वापसी की है।जरूरत है धैर्य,समझदारी और सही रणनीति की।दुनियाँ शायद कोविड -19 जैसे दौर की ओर नहीं बढ़ रही, लेकिन यह निश्चित है कि हम एक नए आर्थिक युग में प्रवेश कर रहे हैं जहां चुनौतियां भी बड़ी हैं और अवसर भी।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी)

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट आधुनिक भारत की नई उड़ान

सौरभ वार्ष्णेय

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट केवल एक हवाई अड्डा नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश और पूरे भारत की विकास यात्रा का एक बड़ा आधार बनने जा रहा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि इसके माध्यम से प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी नई ऊंचाई मिलेगी। इस नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट आधुनिक भारत की नई उड़ान माना जा रहा है। इस विकास से प्रदेश का ही नहीं देश का विकास भी संभव हो सकेगा? देश की तरक्की में कम्युनिकेशन यानी यातायात को सुगम बनाना स्वाभाविक ही वह क्षेत्र और देश स्वयं तरक्की के पंख लगा लेता है। आज उसी अध्याय में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश को बीमारू' छवि से बाहर निकालेगा। प्रदेश की छवि में चार चांद लगेंगे। जैसा की बताया जा रहा है अप्रैल के अंत में फ्लाइट्स शुरू होने के बाद यह देश का पांचवां सबसे बड़ा एयरपोर्ट बन जाएगा। चारों फेज का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद यह देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनेगा। 5000 एकड़ से अधिक के क्षेत्रफल में एयरपोर्ट का विस्तार होगा। पहले फेज के बाद इस एयरपोर्ट पर यात्री क्षमता करीब 1.2 करोड़ होगी। फाइनल फेज पूरी होने के बाद यह 7 करोड़ से अधिक यात्री क्षमता वाला एयरपोर्ट होगा। उड़ानें शुरू होने के बाद तेजी से बढने् की उम्मीद है। भविष्य का सबसे बड़ा एविएशन हब बनने की पूरी क्षमता रखता है। इससे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश को बीमारू' छवि से बाहर निकालकर विकसित प्रदेश' की दिशा में ले जाने की क्षमता रखता है। और जब देश का सबसे बड़ा राज्य आर्थिक रूप से सशक्त होगा, तो स्वाभाविक है कि भारत की समग्र प्रगति भी तेज होगी।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर एयरपोर्ट) का उद्घाटन होने के बाद अब अप्रैल माह के अंत तक उड़ाने शुरू होने की उम्मीद की जा रही है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट 65 शहरों के लिए उड़ान शुरू किए जाने का दावा है। पहले चरण में देश के 10 शहरों के लिए सेवा शुरू होगी। शुरुआत में केवल घरेलू और कार्गो उड़ानें ही संचालित होंगी। नोएडा एयरपोर्ट के उद्घाटन के साथ ही यूपी पांच इंटरनेशनल एयरपोर्ट वाला देश का पहला राज्य बन गया है। वैसे तो देश में एयरपोर्ट अलग-अलग मानकों के आधार पर तय किए जाते हैं। इनमें यात्री क्षमता, क्षेत्रफल और उड़ानों की संख्या शामिल होती है। देश के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट के आधार पर सबसे बड़ा दिल्ली का इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। वहीं, क्षेत्रफल के लिहाज से हैदराबाद एयरपोर्ट सबसे बड़ा है। उड़ानों की दृष्टि से सबसे बड़ा एयरपोर्ट दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट है। जेवर एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद इसे सबसे बड़ा माना जाएगा। देश के पांच सबसे बड़े एयरपोर्ट होगा। सबसे पहले, यह एयरपोर्ट पश्चिमी उत्तर प्रदेश को वैश्विक व्यापार और निवेश के नक्शे पर मजबूती से स्थापित करेगा। अभी तक दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर अत्यधिक दबाव रहता है, लेकिन जेवर एयरपोर्ट उस दबाव को कम करेगा और क्षेत्र में हवाई कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा। इससे निर्यात, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन क्षेत्र को बड़ा लाभ मिलेगा। दूसरा, यह परियोजना रोजगार के विशाल अवसर पैदा करेगी। निर्माण चरण से लेकर संचालन तक लाखों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। आसपास के क्षेत्रों–जैसे ग्रेटर नोएडा, बुलंदशहर, अलीगढ़–में औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियां तेजी से बढ़ेंगी। तीसरा, यह एयरपोर्ट मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी' का केंद्र बनेगा। एक्सप्रेसवे, मेट्रो और रेल नेटवर्क से जुड़कर यह क्षेत्र एक लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित होगा। इससे किसानों, छोटे व्यापारियों और उद्योगों को अपने उत्पाद देश-विदेश तक पहुंचाने में आसानी होगी।चौथा, विदेशी निवेश को आकर्षित करने में यह अहम भूमिका निभाएगा। जब वैश्विक कंपनियां बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर देखती हैं, तो वे निवेश के लिए अधिक इच्छुक होती हैं। इससे मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत' जैसे अभियानों को मजबूती मिलेगी। हालांकि, विकास के इस मॉडल में कुछ चुनौतियां भी हैं–जैसे पर्यावरण संतुलन और स्थानीय लोगों के पुनर्वास के मुद्दे। इनका संवेदनशील और संतुलित समाधान जरूरी है, ताकि विकास समावेशी और टिकाऊ बन सके।

उत्तर प्रदेश लंबे समय से अपनी विशाल जनसंख्या, कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था और सीमित औद्योगिक विस्तार के कारण विकास की चुनौतियों से जूझता रहा है। ऐसे में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण न केवल एक बुनियादी ढांचा परियोजना है, बल्कि यह राज्य की आर्थिक तस्वीर बदलने की क्षमता रखने वाला ऐतिहासिक कदम है।सबसे पहले, यह एयरपोर्ट क्षेत्रीय और वैश्विक कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा। दिल्ली-एनसीआर के बढ़ते दबाव को कम करते हुए यह नया हवाई अड्डा अंतरराष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन और निवेश को आकर्षित करेगा। जब दुनिया के बड़े शहरों से सीधी उड़ानें जुड़ेंगी, तो विदेशी कंपनियों के लिए उत्तर प्रदेश में निवेश करना अधिक आसान और लाभदायक होगा।दूसरा महत्वपूर्ण पहलू रोजगार का है। एयरपोर्ट के निर्माण से लेकर उसके संचालन तक लाखों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। होटल, परिवहन, लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग और रिटेल जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाएं खुलेंगी। आसपास के क्षेत्रों में छोटे और मध्यम उद्योगों को भी गति मिलेगी, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।तीसरा, यह परियोजना औद्योगिक विकास को नई दिशा देगी। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के तहत विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्रों को इस एयरपोर्ट से सीधा लाभ मिलेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स, मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स हब के रूप में यह क्षेत्र तेजी से उभर सकता है। हालांकि, हर बड़े विकास के साथ चुनौतियां भी आती हैं। भूमि अधिग्रहण, पर्यावरणीय संतुलन और स्थानीय समुदायों के पुनर्वास जैसे मुद्दों को संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ संभालना होगा। यदि इन पहलुओं की अनदेखी हुई, तो विकास का यह मॉडल असंतुलित हो सकता है। यह कहना अतिश्योक्ति होगा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश के लिए केवल एक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना नहीं, बल्कि आर्थिक पुनर्जागरण का माध्यम बन सकता है। यदि सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर इसे योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाएं, तो यह राज्य को न केवल राष्ट्रीय बल्कि वैश्विक आर्थिक मानचित्र पर नई पहचान दिला सकता है।

यूपी को बीमारू छवि से बाहर निकालेगा–उत्तर प्रदेश के जेवर में बन रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश के बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। यह केवल एक हवाई अड्डा नहीं, बल्कि उत्तर भारत के लिए विकास का नया इंजन बनने जा रहा है।सबसे बड़ी विशेषता इसकी वृहद क्षमता और चरणबद्ध विस्तार योजना है। पूर्ण रूप से विकसित होने पर यह एशिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट्स में शामिल होगा। शुरुआत में ही इसकी रनवे क्षमता और यात्री संभालने की व्यवस्था इसे भविष्य के दबाव के लिए तैयार बनाती है। अहम विशेषता है इसकी बेहतरीन कनेक्टिविटी। यह एयरपोर्ट दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के बड़े हिस्सों को सड़क, रेल और मेट्रो नेटवर्क से जोड़ेगा। इससे न केवल यात्रा आसान होगी, बल्कि व्यापार और उद्योग को भी नई गति मिलेगी। अन्य खासियत है इसका ग्रीन और सस्टेनेबल डिजाइन। यह भारत का पहला ऐसा एयरपोर्ट बनने की दिशा में है, जो पूरी तरह से नेट ज़ीरो एमिशन के लक्ष्य को ध्यान में रखकर विकसित किया जा रहा है। सोलर एनर्जी, जल संरक्षण और पर्यावरण-अनुकूल निर्माण इसे भविष्य के एयरपोर्ट्स का मॉडल बनाते हैं। इसके अलावा, यह एयरपोर्ट कार्गो हब के रूप में भी उभरेगा। कृषि, और निर्यात आधारित उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक सीधी पहुंच मिलेगी। इससे स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान मिलेगी और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। सामाजिक दृष्टि से भी यह परियोजना महत्वपूर्ण है। क्षेत्र में रोजगार सृजन, शहरीकरण और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा, जिससे आसपास के जिलों का समग्र विकास संभव होगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट केवल एक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना नहीं, बल्कि नए भारत की आकांक्षाओं का प्रतीक है। यदि इसे समयबद्ध और संतुलित तरीके से पूरा किया गया, तो यह उत्तर प्रदेश ही नहीं, पूरे देश की आर्थिक उड़ान को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार है, समाचार पत्र व पत्रिकाओं में समसमायिक विषयों पर चिंतक, राजनीतिक विचारक है।) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

एमसीबी में टीबी मुक्त भारत अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत, हाई रिस्क गांवों में विशेष स्क्रीनिंग तेज

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में टीबी उन्मूलन की दिशा में चल रहे टीबी मुक्त भारत अभियान के 100 दिवसीय अभियान के दूसरे चरण का शुभारंभ 24 मार्च 2026 से किया गया है कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देश एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के मार्गदर्शन में जिलेभर में व्यापक स्तर पर स्क्रीनिंग और जांच कार्य तेज कर दिया गया है। अभियान के तहत 25 मार्च से चिन्हित हाई रिस्क ग्रामों में आयुष्मान आरोग्य शिविर आयोजित कर आधुनिक हैंड हेल्ड एक्स-रे मशीन से संदिग्ध मरीजों की जांच की जा रही है इसी क्रम में ग्राम सलका, बरदर और ठगगांव में लगाए गए विशेष शिविरों में कुल 223 लोगों का एक्स-रे परीक्षण किया गया स्वास्थ्य

विभाग द्वारा बनाई गई कार्ययोजना के अनुसार 100 दिवसीय अभियान के दौरान जिले के सभी हाई रिस्क क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से शिविर लगाए जाएंगे इन शिविरों में संभावित मरीजों की पहचान कर उन्हें आगे की जांच और उपचार के लिए चिन्हित किया जा रहा है। अभियान में मितानिनों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है वे घर-घर जाकर प्रारंभिक स्क्रीनिंग कर रहे हैं तथा उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों का प्रपत्र तैयार कर 'निश्चय आईडी' बनाई जा रही है। इसके बाद चिन्हित व्यक्तियों का एक्स-रे (न्यूक्लिक एसिड एम्प्लीफिकेशन टेस्ट) के माध्यम से टीबी की पुष्टि की जा रही है स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अभियान का मुख्य उद्देश्य टीबी के संभावित मरीजों की समय पर पहचान कर उन्हें शीघ्र उपचार उपलब्ध कराना है, जिससे संक्रमण के प्रसार को रोका जा सके साथ ही लोगों में जागरूकता बढ़ाने और टीबी से जुड़ी सामाजिक भ्रांतियों को दूर करने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे शिविरों में पहुंचकर जांच कराएं और टीबी के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें ताकि समय पर उपचार शुरू हो सके और जिले को टीबी मुक्त बनाने के लक्ष्य को हासिल किया जा सके।

कोलारस में अनियंत्रित बस दुकानों में घुसी, चालक को चक्कर आने से हादसा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। कोलारस कस्बे में एबी रोड पर एक यात्री बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी सब्जी की दुकानों और एक स्टॉल में घुस गई हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। जानकारी के अनुसार बाला जी बस सर्विस की बस मियाना से शिवपुरी की ओर जा रही थी। कोलारस में जगतपुर तिराहा पर सवारियां उतारने के बाद गुंजारी नदी पुल पार कर गुरुद्वारा के पास पहुंचते ही बस अचानक अनियंत्रित हो गई और दुकानों में जा घुसी बस एक स्टॉल से टकराकर रुकी। हादसे में 18 वर्षीय युवक और 45 वर्षीय व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया वहीं एक सब्जी विक्रेता स्टॉल में फंस गया जिसे हल्की चोटें आईं। बस की टक्कर से सड़क किनारे लगी कई सब्जी दुकानों को नुकसान पहुंचा हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने विरोध जताते हुए बस पर पथराव कर दिया कुछ लोगों ने लाठियों से भी बस पर हमला किया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार बस चालक की अचानक तबीयत खराब होने से उसे चक्कर आ गया जिससे बस अनियंत्रित हो गई होश में आने के बाद चालक ने बस को संभालने की कोशिश की, लेकिन तब तक हादसा हो चुका था सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया हादसे के समय बस में सवारियां नहीं होने से बड़ा नुकसान टल गया।

रिसॉर्ट में हिरण पकाने वाले मैनेजर व कुक सहित छह गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। वन विभाग ने बेलगहना के कुरदर स्थित रिसॉर्ट में हिरण का शिकार कर मांस पकाने के मामले में रिसॉर्ट के मैनेजर और कुक समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया वन विभाग को शुक्रवार को उक्त रिसोर्ट में हिरण का मांस पकाए जाने की सूचना मिली थी टीम मौके पर पहुंची तो रिसॉर्ट के किचन के बाहर चूल्हे पर मांस पकाया जा रहा था वहां से पका हुआ मांस और बर्तन बरामद किए गए। पूछताछ में जनक राम बैगा ने बताया कि एक हिरण कुत्तों से बचते हुए रिसॉर्ट की फेंसिंग में फंसकर घायल हो गया था। ग्रामीणों ने उसे निकालकर काट लिया और मांस आपस में बांट लिया कुछ हिस्सा रिसॉर्ट के कुक रामकुमार टोप्पो को दिया गया था जिसने उसे पकाया सभी ने शाम को मांस खाने की योजना बनाई थी लेकिन उससे पहले ही वन विभाग की टीम पहुंच गई। वन विभाग ने रिसॉर्ट के मैनेजर रजनीश सिंह, कुक रामकुमार टोप्पो समेत जनक राम बैगा, देवसिंह बैगा, राजेश और लखन सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है

वन विभाग ने तोड़ा दृष्टिहीन महिला का घर, जनकपुर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई, पुनर्वास की मांग उठी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। वनमंडल अंतर्गत कुंवारपुर वनपरिक्षेत्र में वन विभाग की अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं कम्पार्टमेंट क्रमांक 1271 की वनभूमि पर हुए इस अभियान में अवैध निर्माण हटाए गए लेकिन एक दृष्टिहीन महिला का घर उजड़ने से मामला गरमा गया है जानकारी के अनुसार, कुछ लोग वनभूमि पर झिल्ली और मिट्टी से अस्थायी मकान बनाकर कब्जा कर रहे थे शिकायत मिलने पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर निर्माणाधीन ढांचों को ध्वस्त कर दिया विभाग का कहना है कि वनभूमि पर अतिक्रमण स्वीकार्य नहीं है और नियमानुसार कार्रवाई की गई है इस कार्रवाई में मुन्नी बाई नामक दृष्टिहीन महिला अपने छोटे बच्चों के साथ बेघर हो गई हैं पीड़ित महिला ने बताया कि उनके पति टीबी से ग्रसित हैं और पारिवारिक परिस्थितियों के कारण उन्हें अलग रहना पड़ रहा था जिसके चलते वे मजबूरी में वहां रह रही थीं मुन्नी बाई ने बताया कि वह दोनों आंखों से नहीं देख सकतीं और उनके छोटे-छोटे बच्चे हैं उन्होंने कहा कि वन विभाग ने उनका घर तोड़ दिया, जिससे अब उनके पास रहने के लिए कोई जगह नहीं बची है उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कार्रवाई के दौरान उनके घर की लकड़ी भी ले ली गई वन विभाग के फॉरेस्टर रामायण शर्मा ने बताया कि अवैध अतिक्रमण की शिकायत पर नियमानुसार कार्रवाई की गई है। उन्होंने पुष्टि की कि कब्जा हटाने के साथ ही लकड़ी जब्त की गई है और संबंधित लोगों के खिलाफ वैधानिक प्रक्रिया जारी है। स्थानीय लोगों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित महिला को तत्काल राहत, आवास और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाए।

महिला फॉरेस्ट गार्ड निरीक्षण के दौरान तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल में भती

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। सतनवाड़ा वन परिक्षेत्र की पचपेड़िया बीट में 23 मार्च को निरीक्षण के दौरान महिला फॉरेस्ट गार्ड मेघा सेंगर की तबीयत बिगड़ गई उन्हें तत्काल सतनवाड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार क्षेत्र में पेड़ों की कटाई की सूचना मिलने पर ट्रेनी आईएफएस अधिकारी जिज्ञासु अग्रवाल टीम के साथ मौके पर पहुंचे थे मेघा सेंगर ने कथित तौर पर पहले ही अपनी तबीयत खराब होने की जानकारी दी थी और बीट पर जाने में असमर्थता जताई थी इसके बावजूद उन्हें टीम के साथ निरीक्षण के लिए जाना पड़ा। जंगल में निरीक्षण के दौरान उनकी हालत बिगड़ गई और वह अचानक बेहोश हो गई डॉक्टरों ने बताया कि उस समय उनका ब्लड प्रेशर असंतुलित था और उन्हें घबराहट की शिकायत भी थी इस मामले में ट्रेनी आईएफएस जिज्ञासु अग्रवाल ने बताया कि उन्हें महिला कर्मचारी की तबीयत खराब होने की जानकारी नहीं थी उन्होंने कहा कि सामान्य निरीक्षण के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्होंने खुद ही मेघा सेंगर को अस्पताल पहुंचाया और डॉक्टरों से बात की।

ज्वेलरी शॉप में लूट, व्यापारी-पत्नी को पीटा,बच्चा हाथ जोड़ता रहा- मेरे पापा को छोड़ दो, जेवर-मोबाइल लेकर भागे, 3 आरोपि अरेस्ट

मीडिया ऑडीटर, छत्तीसगढ़ (निप्र)। जांजगीर-चांपा जिले में सराफा व्यापारी से लूट हुई है। 4 बदमाश बड़ी लूट के इरादे से शॉप में घुसे। फिर व्यवसायी और उसकी पत्नी को जमीन पर पटका इसके बाद मुंह दबाते हुए हाथ-मुक्के और लात-घूंसों से उनकी पिटाई की इस दौरान वहां मौजूद बच्चा बदमाशों के सामने हाथ जोड़कर अपने पापा को छोड़ने की मिन्नतें करता रहा। मामला शिवरीनारायण थाना क्षेत्र के राहौद का है। आरोपियों ने व्यापारी का मुंह दबाकर गला दबाने की भी कोशिश की पत्नी और बच्चे ने जब ज्यादा शोर किया तो कुछ जेवर और मोबाइल लूटकर भाग निकले पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अन्य 2 की तलाश जारी है। शहर के राहौद मेन रोड पर सराफा व्यापारी सुदीप कुमार (35) का घर है। घर पर ही ज्वेलरी

शॉप है 19 मार्च की सुबह 7:58 बजे 4 बदमाशों ने मेन दरवाजे से एंट्री ली जहां बच्चा स्कूल जाने के लिए तैयार बैठा था बदमाशों ने उससे पूछा घर वाले कहा है। बच्चे ने जवाब दिया कि सभी अंदर है फिर बदमाश वहीं किनारे छुप गए थे सुदीप कुमार घर के अंदर पूजा कर रहे थे बाहर कौन आया है ये देखने जैसे ही वे बाहर निकले बदमाशों ने उन्हें पकड़ लिया और शोर मचाने पर मुंह दबा दिया। इस दौरान जल चढ़ाने वाला बर्तन गिर गया ये देख घर के अन्य सदस्य पत्नी और बच्चे जोर-जोर से चिल्लाने लगे। पत्नी बचाने आई तो बदमाशों ने उनकी पत्नी को धकेल कर जमीन पर गिरा दिया और पिटाई की बदमाश सुदीप कुमार का मुंह दबाकर हाथ-मुक्के और लात-घूंसों से पिटाई कर रहे थे। ये देख बच्चा जोर जोर से रोता रहा हाथ जोड़कर मिन्नतें करता रहा-मेरे पापा को छोड़ दो। जब घर वालों ने खूब शोर मचाया तो आरोपी घर में रखा 2 मोबाइल और कुछ जेवर लेकर भाग निकले। पूरी वारदात घर और शॉप में लगे कैमरे में कैद हो गई। 2 मिनट बाद ही 8:00 बजे आरोपियों के घर से भागने के फुटेज है। घर मेन रोड से लगी है। ऐसे में शोर सुनकर देखने के लिए कुछ राहगीर अंदर आए। उन्होंने एक आरोपी, प्रियेश कुमार बर्मन, को पकड़ लिया। बाकी तीन आरोपी मौके से फरार हो गए थे। पुलिस ने 28 मार्च को 2 और आरोपियों को पकड़ा है। मुख्य आरोपी अभी भी फरार है। बदमाशों ने घर में रखे दो महंगे एप्पल मोबाइल (करीब 80 हजार रुपए) और एक सैमसंग कीपैड मोबाइल और कुछ जेवर की चोरी की थी पुलिस ने बाद में जांच-पड़ताल की। और मुखबिर की सूचना पर 9 दिन बाद दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया हालांकि कितनी जेवर चोरी हुई है ये जानकारी अभी सामने नहीं आई है गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान रवि निर्मलकर (22) और श्यामजी सिन्हा (24) के रूप में हुई है।

चिरमिरी की वादियों में गूँज रही फिल्म 'रुख हमर भुइया हमर महतारी' की शूटिंग

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी (निप्र)। कोयलांचल नगरी चिरमिरी इन दिनों फिल्मी माहौल से सराबोर है। यहाँ छत्तीसगढ़ी फिल्म रुख हमर भुइया हमर महतारी की शूटिंग बड़े पैमाने पर शुरू हो चुकी है इस फिल्म का निर्देशन क्षेत्र के सुप्रसिद्ध कलाकार बाबा बघेल कर रहे हैं जो अपनी कला के माध्यम से स्थानीय संस्कृति को बड़े पर्दे पर जीवंत करने के लिए जाने जाते हैं। पिछले चार दिनों से लगातार चल रही इस शूटिंग के पहले चरण में चिरमिरी और आसपास के खूबसूरत प्राकृतिक स्थलों पर कुल 15 दिनों का शेड्यूल तय किया गया है फिल्म की खासियत यह है कि इसमें स्थानीय कलाकारों को भी अभिनय का अवसर दिया जा रहा है जिससे क्षेत्र के युवाओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है फिल्म की कहानी 'जल, जंगल और जमीन' जैसे संवेदनशील विषय पर आधारित है जो प्रकृति और मानव के गहरे संबंध को दर्शाती है निर्देशक बाबा बघेल के निर्देशन में बन रही यह फिल्म वर्ष 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने की संभावना है प्राकृतिक सौंदर्य और स्थानीय परिवेश से सजी इस फिल्म से दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं और यह फिल्म क्षेत्रीय सिनेमा को नई पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

पावर प्लांट में फर्नेस फटा, क्रेन ऑपरेटर 60' झुलसा, अस्पताल में भर्ती

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। कोनी थाना क्षेत्र स्थित फिल पॉवर प्लांट में इंडक्शन फर्नेस फटने से एक क्रेन ऑपरेटर गंभीर रूप से झुलस गयह घटना शनिवार दोपहर को निरतू-घुटकू के पास हुई, जिसमें बिहार निवासी 26 वर्षीय आशुतोष कुमार घायल हो गया। आशुतोष को तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनका इलाज चल रहा है अस्पताल प्रबंधन के अनुसार आशुतोष का 60 प्रतिशत शरीर झुलस गया है और फेफड़ों में धुआं भरने के कारण उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही है उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। कोनी थाना के टीआई भावेश शेंडे ने बताया कि जब वे घायल ऑपरेटर का बयान लेने अस्पताल पहुंचे तो डॉक्टरों ने उन्हें रोक दिया। डॉक्टरों का कहना था कि आशुतोष अभी बयान देने की स्थिति में नहीं हैं आशुतोष के भाई मनीष सिंह, जो स्वयं जरौंधा के नूतन स्टील प्लांट में साइट मैनेजर से पूछताछ करने पर उन्होंने घटना के बारे में अनभिज्ञता जताई पुलिस का कहना है कि घायल के बयान के बाद ही घटना के कारणों और परिस्थितियों के बारे में स्पष्ट जानकारी मिल पाएगी। घटना की सूचना मिलने पर प्रशिक्षु आईपीएस गगन कुमार ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने पुष्टि की कि इस घटना में आशुतोष कुमार के अलावा कोई अन्य व्यक्ति घायल नहीं हुआ है। फिल ग्रुप के प्रबंधक प्रदीप झा के मुताबिक, बायलर ठेके पर संचालित हो रहा था और आशुतोष इसी ठेका कंपनी के अंतर्गत कार्यरत था उन्होंने बताया कि बेहतर इलाज के लिए रायपुर से विशेषज्ञ डाक्टर बुलाए गए हैं उन्होंने यह भी कहा कि प्लांट में कोई बड़ा विस्फोट नहीं केवल एक व्यक्ति झुलस गया है जिसका बेहतर उपचार कराया जा रहा है।

मनरेगा-डीएमएफ अभिसरण से बरदर में बना चेक डैम, ग्रामीणों के लिए आत्मनिर्भरता की नई राह

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के जनपद पंचायत खड़गवां अंतर्गत ग्राम पंचायत बरदर में मनरेगा और डीएमएफ (जिला खनिज न्यास) के अभिसरण से निर्मित चेक डैम ग्रामीण विकास का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा है। यह परियोजना जल संरक्षण, रोजगार सृजन और कृषि उन्नयन के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही ग्राम पंचायत बरदर में निर्मित इस चेक डैम का निर्माण महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) से 17 लाख रुपए तथा जिला खनिज

न्यास (डीएमएफ) से 2 लाख रुपए की लागत से किया गया है। निर्माण कार्य के दौरान कुल 1070 मानव दिवस सृजित हुए, जिससे स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार के अवसर प्राप्त हुए और उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूती मिली यह कार्य कलेक्टर डी. राहुल वेंकट एवं जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। प्रशासन के कुशल नेतृत्व और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के कारण यह परियोजना ग्रामीण क्षेत्र में विकास का मॉडल बनकर सामने आई हैचेक डैम के निर्माण से गांव के आसपास के लगभग 15 किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। पहले जहां किसान केवल एक फसल पर निर्भर रहते थे, अब वे धान के साथ-साथ दूसरी फसल लेने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इससे कृषि उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ किसानों की आय में भी सुधार हो रहा है इसके अलावा कई किसानों ने सब्जी उत्पादन की ओर भी रुख किया है जिससे उन्हें अतिरिक्त आय के स्रोत प्राप्त हो रहे हैं इस परियोजना का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इससे क्षेत्र के भूजल स्तर में सुधार होने की उम्मीद जताई जा रही है। चेक डैम में संचित पानी का उपयोग किसान सोलर पंप के माध्यम से सिंचाई के लिए कर रहे हैं।

तखतपुर में बर्ड फ्लू का खतरा, सड़क किनारे मृत मुर्गियों से भरी बोरियां मिली

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। तख्तपुर क्षेत्र में भी बर्ड फ्लू का खतरा बढ़ने लगा है सुबह तख्तपुर-नगोई नए बाईपास मार्ग पर बड़ी मात्रा में मृत मुर्गियों से भरी बोरियां मिलीं खुले में फेंकी गई इन मुर्गियों से न केवल बदबू फैल रही है बल्कि संक्रमण का खतरा भी तेजी से बढ़ रहा है मुख्य मार्ग से महज आधा किलोमीटर दूर इन मृत मुर्गियों को लावारिस हालत में छोड़ दिया गया सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले ग्रामीणों ने जब यह दृश्य देखा तो दंग रह गए ग्रामीणों ने बताया कि आवारा कुत्ते इन मुर्गियों को नोच-नोच कर खा रहे हैं साथ ही सड़कों पर घसीट रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यदि ये मुर्गियां बर्ड फ्लू से संक्रमित हैं तो कुत्तों और अन्य पक्षियों के जरिए वायरस रिहायशी इलाकों तक आसानी से पहुंच सकता है। तख्तपुर और आसपास के क्षेत्रों में 4-5 बड़े मुर्गी फार्म संचालित हैं। नवरात्रि समाप्ति के बाद सामान्यतः चिकन की मांग बढ़ती है लेकिन सीजन की शुरुआत में ही बर्ड फ्लू की आशंका ने पोल्ट्री कारोबार को झटका दिया है।

नीम घाटी पर पलटा गेहूं से भरा ट्रैक्टर-ट्राली :गेहूं लेकर नरसिंहपुर से आ रहा था सागर ब्रेक लगाने से अनियंत्रित हुआ, ड्राइवर समेत 3 घायल

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के नेशनल हाईवे-44 पर स्थित नीम घाटी पर गेहूं से भरा ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गया। दुर्घटना में ट्रैक्टर पर सवार तीन लोग घायल हुए हैं। जिसमें ड्राइवर को गंभीर चोटें आई हैं। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मामला जांच में लिया है। जानकारी के अनुसार, नरसिंहपुर जिले के तेंदूखेड़ा निवासी किसान जयंत पांडे का 40 बोरी गेहूं ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर सागर आ रहा था। ट्रैक्टर मुकेश पिता रमेश शुक्ला उम्र 40 साल निवासी तेंदूखेड़ा चला रहे थे। बाजू में विवेक पिता जयंत पांडे उम्र 28 साल और बंटू पिता भगवानदास गौंड उम्र 38 साल, दोनों निवासी आलनपुर तेंदूखेड़ा बैठे थे। तीनों ट्रैक्टर-ट्रॉली से सागर के लिए रवाना हुए। इसी दौरान गौरझामर के पास नेशनल हाईवे-44 पर नीम घाटी पर ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक अनियंत्रित हो गया। ड्राइवर जब तक संभाल पाता, ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। घटना में ड्राइवर मुकेश शुक्ला, विवेक पांडे और बंटू गौंड घायल हुए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को देवरी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर घायल ड्राइवर मुकेश को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

सड़क पर फैला गेहूं, हाईवे पर लगा जाम: घटना के समय ट्राली में भरा गेहूं सड़क पर फैल गया। ट्रैक्टर भी सड़क पर पड़ा था। जिससे देवरी-सागर मार्ग पर जाम की स्थिति बनी। सूचना पर पुलिस और टोल नाके की टीम मौके पर पहुंची। क्रेन की मदद से ट्रैक्टर-ट्राली को सड़क से हटवाया गया। गेहूं को भी उठाया गया। जिसके बाद यातायात सुचारू हो सका।

मंदसौर में चचेरे भाई ने तलवार से किया हमला घर के बाहर खड़ा था युवक पीछे से आकर अचानक किया वार

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के अरनिया निजामुद्दीन गांव में 18 वर्षीय अर्जुन पिता गिरधारी लाल पर शनिवार रात उसके ही बड़े पापा के बेटे ने तलवार से हमला कर दिया। घटना में अर्जुन के हाथ पर गंभीर चोट आई है, जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, अर्जुन के ऊपर हमला करने वाला कोई और नहीं बल्कि उसके बड़े पापा कारूलाल का बेटा राम सिंह बताया जा रहा है। घटना के समय आरोपी शराब के नशे में था। बताया जा रहा है कि अर्जुन अपने घर के बाहर खड़ा था, तभी राम सिंह वहां पहुंचा और उसे गालियां देने लगा। जब अर्जुन ने इसका विरोध किया, तो विवाद बढ़ गया। इसी दौरान राम सिंह घर के अंदर गया और तलवार लेकर वापस आया। उसने पीछे से अर्जुन पर हमला कर दिया, जिससे अर्जुन के हाथ में गंभीर चोट लग गई।

परिजनों ने बीच-बचाव किया: घटना के दौरान परिजनों ने बीच-बचाव कर किसी तरह स्थिति को संभाला और घायल अर्जुन को तुरंत जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना के बाद परिजनों में आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। परिजनों के अनुसार, घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है।

बाइकों की टक्कर में 2 लोग गंभीर घायल

मीडिया ऑडीटर, सलामतपुर (निप्र)। भोपाल-विदिशा स्टेट हाईवे-18 पर शनिवार दोपहर बेरखेड़ी चौराहा के पास कौंसाखेड़ी जोड़ पर दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में दोनों बाइकों पर सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। राहगीरों और ग्रामीणों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। एक युवक को निजी वाहन से भेजा गया। दूसरे घायल पप्पू को 108 एंबुलेंस से सांची सिविल अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उसे विदिशा जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी दिनेश सिंह रघुवंशी ने बताया कि दो बाइकों की टक्कर में दो लोग घायल हुए हैं। दोनों को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया है। मामले की जांच जारी है।

छिंदवाड़ा में बाघ की हत्या का खुलासा : जहर देकर मारकर दफनाया, खेत में मिली अवैध अफीम की खेती

मीडिया ऑडीटर, छिंदवाड़ा (निप्र)। छिंदवाड़ा के तामिया क्षेत्र में बाघ की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। आरोपी ने मवेशियों को नुकसान से बचाने के नाम पर बाघ को जहर देकर मार दिया और जंगल में दफना दिया। जांच में सामने आया कि जिस खेत में घटना हुई वहां अवैध अफीम की खेती भी की जा रही थी।छिंदवाड़ा जिले के तामिया क्षेत्र के छातीआम गांव में बाघ की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। जिस खेत में बाघ को जहर देकर मारा गया, वहां अवैध रूप से अफीम की खेती भी की जा रही थी। वन विभाग की टीम को खेत में बड़ी संख्या में अफीम के पौधे मिले हैं। वन विभाग ने इस मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। लेकिन 24 घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस मौके पर नहीं पहुंची।

450 पुलिसकर्मियों ने 196 अपराधी पकड़े मंदसौर में अवैध शराब जुआ-सट्टा और गुंडा आरोपी पकड़ाए

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और अपराधियों पर शिकंजा कसने के उद्देश्य से शनिवार-रविवार की दरमियानी रात मंदसौर पुलिस ने व्यापक स्तर पर कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया। इस दौरान पूरी रात चली सख्त कार्रवाई में पुलिस ने 196 वारंटियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की।

एसपी विनोद कुमार मीना के निर्देश पर एडिशनल एसपी टी.एस. बघेल और एएसपी (गरोठ) हेमलता कुरील के मार्गदर्शन में जिलेभर के सभी राजपत्रित एवं अराजपत्रित अधिकारियों ने संयुक्त रूप से इस अभियान को अंजाम दिया जिसमें 43 गश्त पार्टियों के माध्यम से 450 से अधिक पुलिस अधिकारी और

कर्मचारी शामिल रहे।

117 स्थायी और 75 गिरफ्तारी वारंटी दबोचे: कॉम्बिंग गश्त के दौरान कुल 117 स्थायी वारंटी गिरफ्तार किए गए, जिनमें विभिन्न धाराओं के आरोपी शामिल हैं। वहीं 75 गिरफ्तारी वारंटियों की तामील भी की गई। थाना कोतवाली, वायडी नगर, सीतामऊ, सुवासरा, शामगढ़, गरोठ सहित जिले के सभी थानों ने इस कार्रवाई में सक्रिय भूमिका निभाई। अभियान के दौरान पुलिस ने 183 हिस्ट्रीशीटर, निगरानीशुदा और गुंडा बदमाशों की सघन चेकिंग की। इसमें 83 निगरानी बदमाश और 100 अन्य आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों को चेक कर उनकी गतिविधियों पर नजर रखी गई। कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस ने अवैध शराब के 41 प्रकरण दर्ज करते हुए 41 आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 253.66 लीटर अवैध शराब जब्त की गई, जिसकी कीमत लगभग 64,740 रुपये आंकी गई है।

पुलिस ने जुआ-सट्टा के 5 मामलों में कार्रवाई करते हुए 10 आरोपियों से 8,700 रुपये नकद जब्त किए। वहीं धारा 151 के तहत 8 प्रकरणों में 15 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। एडिशनल एसपी तेर सिंह बघेल ने स्पष्ट किया है कि जिले में अपराध और आपराधिक तत्वों पर नियंत्रण के लिए इस प्रकार के कॉम्बिंग अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे ।

काहरी डैम से पानी चोरी करते 8 मोटर जब्त सीहोर शाजापुर सीमा पर पेयजल के लिए आरक्षित है पानी

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर नगर के लिए आरक्षित पेयजल की चोरी करते हुए आठ विद्युत मोटरें जब्त की गई हैं। यह कार्रवाई रविवार को सीहोर-शाजापुर जिले की सीमा पर पार्वती नदी के काहरी डैम से की गई। नगर पालिका परिषद की टीम ने यह कार्रवाई अंजाम दी। नगर पालिका परिषद सीहोर की टीम ने पार्वती नदी पर बने काहरी डैम पर छापा मारा। यहां से पेयजल के लिए आरक्षित पानी की चोरी की जा रही थी। प्रशासन और नगर पालिका द्वारा पेयजल चोरी रोकने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं।

सीहोर-शाजापुर जिले के लिए आरक्षित है पानी: जब्त की गई सभी मोटरें सीहोर-शाजापुर जिले की सीमा से मिलीं। बताया गया है कि शाजापुर जिले के कुछ किसान अपनी फसलों की सिंचाई के लिए काहरी डैम से पानी चोरी कर रहे थे। उन्हें बार-बार पानी चोरी न करने की हिदायत दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद बड़े बिजली की मोटरों का उपयोग कर पानी चुराया जा रहा था।

उल्लेखनीय है कि पार्वती नदी का काहरी डैम सीहोर नगरीय क्षेत्र के लिए पेयजल आपूर्ति का मुख्य स्रोत है। यहां पेयजल के लिए पानी का भंडारण किया जाता है और इसे विशेष रूप से आरक्षित रखा जाता है। पानी चोरी की लगातार मिल रही सूचनाओं के बाद यह कार्रवाई की गई।

छतरपुर में युवक को गोली मारी 20 साल पुराने विवाद में राजीनामा के दबाव का आरोप, आरोपी फरार

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के गौरिहार थाना क्षेत्र में एक युवक को गोली मारने का मामला सामने आया है। गहवरा गांव में चार आरोपियों ने 24 वर्षीय नितिन प्यासी के पैर में गोली मार दी।

यह घटना पुराने विवाद में राजीनामा का दबाव बनाने को लेकर हुई। जानकारी के अनुसार, नितिन प्यासी बीती रात करीब 2 बजे अपने भाई चंद्रहास प्यासी के साथ खेत पर लगे बोर का पानी देखने गए थे। वापस लौटते समय गांव के नीरज मिश्रा, धीरज मिश्रा, बद्री और रामसुहावन ने उनका रास्ता रोक लिया। बताया जा रहा है कि नितिन के पिता श्रीराम प्यासी के साथ करीब 20 साल पहले मारपीट की एक गंभीर घटना हुई थी। इस मामले में आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास (धारा 307) का मामला दर्ज हुआ था, जिसमें वे जेल भी जा चुके हैं। यह मामला फिलहाल न्यायालय में विचाराधीन है।

इसी पुराने विवाद को लेकर आरोपियों ने नितिन पर राजीनामा करने का दबाव बनाया। जब नितिन ने विरोध किया, तो आरोपियों ने उसका पीछा किया और खेत में घेरकर अवैध हथियार से फायर कर दिया। गोली नितिन के पैर में लगी, जिससे वह घायल हो गया।

घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। परिजनों और ग्रामीणों की मदद से घायल नितिन को तत्काल गौरिहार उप स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर

कर दिया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। गौरिहार थाना प्रभारी रूपनाथ पटेल ने बताया कि गनशॉट हुआ है। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पुलिस मामले के हर पहलू पर जांच कर रही है और जांच उपरांत विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

दमोह में पुलिस ने पकड़ी 200 पेटी अवैध शराब मकान के अंदर पिकअप में थी लोड

मीडिया ऑडीटर, दमोह (निप्र)। दमोह जिले की पथरिया थाना पुलिस ने रविवार दोपहर रेलवे पुलिया के पास एक मकान से 200 पेटी अवैध शराब जब्त की है। पुलिस ने शराब जब्त करने के साथ ही आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। यह कार्रवाई 1 अप्रैल से नए शराब ठेके शुरू होने से पहले अवैध शराब के भंडारण और बिक्री पर अंकुश लगाने के प्रयासों के तहत की गई है।

जानकारी के अनुसार, पथरिया पुलिस को रेलवे पुलिया के पास एक घर में अवैध शराब रखे होने की सूचना मिली थी। सूचना पर टीआई अमित मिश्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मकान के अंदर खड़े वाहन क्रमांक ख्क्ष्ठ 5 छ्र 3949 की तलाशी लेने पर उसमें लगभग 100 पेटी अवैध शराब

लदी मिली।

पुलिस टीम ने जब मकान की छत की तलाशी ली, तो वहां 100 से अधिक शराब की पेटियां जमा कर रखी हुई पाई गईं। पुलिस ने इन सभी पेटियों को भी जब्त कर लिया। कुल मिलाकर, पुलिस ने इस कार्रवाई में 200 से अधिक पेटी अवैध शराब बरामद की है।

मौके से केवल शराब ही नहीं, बल्कि भारी मात्रा में शराब की बोतलों के ढक्कन और बड़ी पानी की टंकियां भी बरामद हुई हैं। इतनी बड़ी संख्या में ढक्कनों की बरामदगी इस बात की ओर इशारा करती है कि यहां न केवल शराब का भंडारण किया जा रहा था, बल्कि संभवतः अवैध तरीके से बोतलों की रिफिलिंग या मिलावट का काम भी चल रहा था।

पिपरिया में बिजली लाइन से नरवाई में आग ग्रामीणों ने पेड़ की टहनियों से बुझाई, गेहूं की फसल सुरक्षित बची

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। पिपरिया के बनखेड़ी स्थित ग्राम खरसली में शनिवार को 11 केवी बिजली लाइन का तार टूटने से गेहूं के खेत की नरवाई में आग लग गई। ग्रामीणों की तत्परता से आग पर तुरंत काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। सरपंच गजेंद्र पटेल ने बताया कि ग्राम खरसली में खसरा क्रमांक 71/3 रकबा 0.94 हेक्टेयर पर स्थित पीताम्बर चौकसे (निवासी कामती) के खेत के पास यह घटना हुई। खेत मुख्य मार्ग पर स्थित है और इसके बाजू से कृषि फीडर तथा डीएलएफ फीडर की 24 घंटे बिजली आपूर्ति वाली लाइनें

गुजरती हैं। डीएलएफ फीडर की 11 केवी लाइन का तार टूटने से स्पार्किंग हुई, जिससे नरवाई में आग भड़क उठी। आसपास के खेतों में गेहूं की खड़ी फसल को देखते हुए ग्रामीणों ने तुरंत कार्रवाई की।आग लगने की सूचना मिलते ही सरपंच गजेंद्र सिंह पटेल, उपसरपंच अर्जुन उइके सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। उन्होंने पेड़ों की हरी टहनियों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया और आग को फैलने से रोक दिया।

दमकल के पहुंचने से पहले पाया आग पर काबू: सरपंच ने तुरंत थाना प्रभारी और नायब तहसीलदार को घटना की सूचना दी। सूचना पर फायर ब्रिगेड को भी मौके के लिए रवाना किया गया, लेकिन फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया था। इस घटना में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ और आसपास खड़ी गेहूं की फसल सुरक्षित बच गई।

बुरहानपुर में तरबूज किसानों को नुकसान कैप्सूल आकार के बीज से गोल फल उगे व्यापारी खरीदने को तैयार नहीं

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिले के नेपानगर क्षेत्र के नावरा और डाभियाखेड़ा गांवों के किसान तरबूज की फसल को लेकर परेशान हैं। किसानों का आरोप है कि उन्हें कैप्सूल आकार के तरबूज के बीज बेचे गए थे, लेकिन खेतों में गोल आकार के तरबूज पैदा हुए। इस कारण व्यापारी उनका माल खरीदने से इनकार कर रहे हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। नावरा गांव के किसान नितिन काशीनाथ चौधरी ने बताया कि उन्होंने अपने खेत में 40 हजार तरबूज के रोपे लगाए थे। ये बीज बुरहानपुर की एक एग्रो एजेंसी से खरीदे गए थे। एजेंसी संचालक ने बेहतर उत्पादन और कैप्सूल जैसे लंबे, लगभग 5 किलो वजनी तरबूज पैदा होने का आश्वासन दिया था।

हालांकि, फसल तैयार होने पर तरबूज गोल आकार के और केवल एक से ढाई किलो वजनी निकले। बाजार में कैप्सूल आकार के तरबूज की अधिक मांग होने के कारण व्यापारी इन गोल तरबूजों को खरीदने से मना कर रहे हैं। स्थानीय किसान भी लंबे समय से गोल आकार के तरबूज नहीं उगाते हैं।

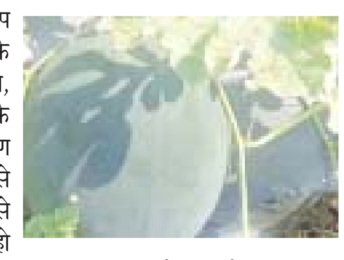

डाभियाखेड़ा के किसान आमीन अमीर शेख ने बताया कि उन्होंने फसल पर लगभग 2 लाख रुपये खर्च किए हैं, लेकिन व्यापारी उनका माल उठाने में आनाकानी कर रहे हैं।

इस मामले में बीज बेचने वाले दुकान संचालक का कहना है कि उन्होंने कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार ही किसानों को बीज उपलब्ध कराए हैं और इसमें उनकी कोई गलती नहीं है। किसान इस धोखाधड़ी की शिकायत जिला प्रशासन से करने की तैयारी कर रहे हैं।

तीन साल के बेटे के खून से रंग लिए हाथ, कलेजे के टुकड़े को कुल्हाड़ी से काट डाला

मीडिया ऑडीटर, रूपझर (निप्र)। रूपझर थाना क्षेत्र के ग्राम केसलई में एक पिता रतन सिंह उइके ने गुस्से में अपने 3 वर्षीय बेटे की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है और मामले की जांच जारी है।रिश्तों को कलंकित करने वाली एक ऐसी रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है, जिसने मानवता को शर्मसार कर दिया है। जिला मुख्यालय से दूर रूपझर थाना अंतर्गत ग्राम केसलई में एक पिता ने अपने ही तीन वर्षीय मासूम बेटे की कुल्हाड़ी से काटकर निर्मम हत्या कर दी। जिस पिता के साये में बच्चे खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं, उसी पिता के सिर पर खून सवार हुआ और उसने अपने ही कलेजे के टुकड़े को मौत के घाट उतार दिया। जानकारी के मुताबिक, रतन सिंह उइके मूल रूप से ग्राम टिकरिया का रहने वाला है। जिसकी शादी सात वर्ष पूर्व सुनीता से हुई है और शादी के बाद से वह अपने ससुराल केसलई में रहने लगा था और मजदूरी कर रहा था जिसके परिवार में पत्नी सुनीता के अलावा छह वर्ष की बड़ी बेटी है और बेटा वीरेंद्र कुमार 3 वर्ष का था। रतन सिंह अपने बच्चों को डांट फटकार लगाते रहता था।

रतलाम में 17 वर्षीय लड़का-लड़की की संदिग्ध हालत में मौत

एक ही मोहल्ले के दोनों को उल्टी के बाद अस्पताल में भर्ती कराया, इलाज के दौरान तोड़ा दम

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम जिले के नामली थाना क्षेत्र के उसगार गांव में एक ही मोहल्ले के रहने वाले 17 वर्षीय लड़का और 17 वर्षीय लड़की की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। दोनों को उल्टी होने के बाद परिजन मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान आधे-आधे घंटे में दोनों की मौत हो गई। मामले को लेकर पुलिस जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार शाम करीब 7 बजे लड़की को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां एक बॉटल चढ़ाने के दौरान ही उसकी मौत हो गई। वहीं, रात करीब 10 बजे लड़के को भी परिजन मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, लेकिन इलाज शुरू होने के करीब आधे घंटे बाद उसकी भी मौत हो गई।

प्रेम प्रसंग की चर्चा, परिजन कर रहे इनकार: मामले में प्रेम-प्रसंग की बात सामने आ रही है, हालांकि दोनों के परिजन इससे साफ इनकार कर रहे हैं और इस संबंध में कुछ भी कहने से बच रहे हैं। शनिवार दोपहर करीब डेढ़ बजे दोनों का पोस्टमार्टम किया गया। नामली थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर परिजनों के बयान लिए और घटनाक्रम की जानकारी जुटाई। दोनों परिवारों ने उल्टी के बाद तबीयत बिगड़ने की बात कही है। पुलिस ने उम्र संबंधी दस्तावेज भी मांगे हैं। मेडिकल कॉलेज पुलिस चौकी से सूचना मिलने के बाद नामली थाना पुलिस जांच में जुटी। एफएसएल अधिकारी अतुल मित्तल और एसडीओपी किशोर पाटनवाला ने भी मौके पर पहुंचकर दोनों के घरों का निरीक्षण किया।

परिवारों के बयान: अचानक बिगड़ी तबीयत: लड़की के पिता ने बताया कि वे पत्नी के साथ खेत पर थे, तभी घर से फोन आया कि बेटी को उल्टी हो रही है और घबराहट है। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं, लड़के के बड़े भाई ने बताया कि वह काम पर गया था। घर से सूचना मिली कि भाई की तबीयत खराब है। परिजन उसे रात में अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसकी मौत हो गई। मृतक मजदूरी करता था और उसके माता-पिता का पहले ही निधन हो चुका है।

पीएम रिपोर्ट से होगा खुलासा: दोनों के घर पास-पास होने के कारण पुलिस मामले को संदिग्ध मानते हुए जांच कर रही है। घरों से कोई जहरीला पदार्थ नहीं मिला है। पुलिस के अनुसार दोनों ने संभवतः कोई अज्ञात पदार्थ खाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। एसडीओपी किशोर पाटन वाला ने बताया किशोर-किशोरी द्वारा जहर खाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। दोनों का पीएम कराया है। जहर क्यों खाया इस बारे में जांच की जा रही है।

जापान ग्रांप्री: मर्सिडीज के 19 वर्षीय एंटोनेली ने लगातार दूसरी F1 रेस जीती

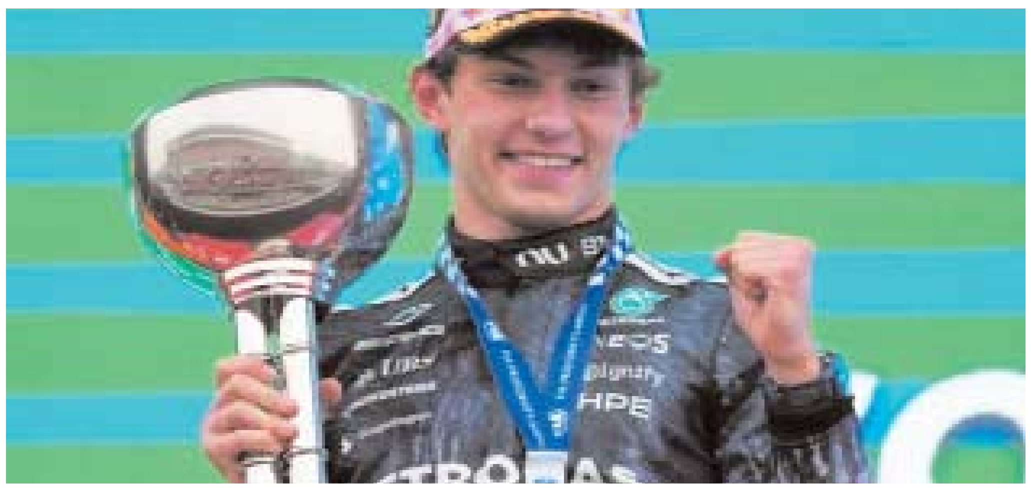

नई दिल्ली, एजेंसी। सुजुका: मर्सिडीज के 19 वर्षीय ड्राइवर किमी एंटोनेली ने रविवार को जापानी ग्रांप्री में मैकलारेन के ऑस्कर पियास्त्री को पछाड़ते हुए लगातार दूसरी फॉर्मूला वन (स्न1) रेस जीत ली। इटली के एंटोनेली ने ऑस्ट्रेलिया के ड्राइवर को 13.7 सेकंड के अच्छे अंतर से पछाड़ा। फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर्क तीसरे और मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल चौथे स्थान पर रहे। मैकलारेन के लैंडो नॉरिस पांचवें और फेरारी के लुईस हैमिल्टन छठे स्थान पर रहे। एंटोनेली ने अपने करियर की पहली एफवन रेस दो सप्ताह पहले चीन में जीती थी और वह इतिहास के दूसरे सबसे कम उम्र के विजेता हैं। सबसे कम उम्र के विजेता का रिकॉर्ड मैक्स वेरस्टैपेन के नाम है। उन्होंने 2016 में 18 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। एंटोनेली ने चीन में भी पोल पोजीशन (शीर्ष स्थान से रेस शुरू करने का अधिकार) से जीत दर्ज की थी। तीन रेस में एंटोनेली के 72 अंक हैं। वह अब सत्र की ड्राइवर की तालिका में शीर्ष पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। एंटोनेली ने कहा, चैंपियनशिप के बारे में सोचना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन हम अच्छी स्थिति में हैं।उन्होंने कहा कि इस जीत के बावजूद उन्हें अपनी शुरुआत को बेहतर करने पर ध्यान देना होगा। इस युवा ड्राइवर ने कहा, मेरी शुरुआत खराब रही, मुझे बस यह देखना होगा कि क्या गलत हुआ। मुझे इसमें सुधार करना होगा क्योंकि इससे रेस में जीत या हार का बहुत बड़ा फर्क पड़ता है।

ओलंपिक पदक जीतना हर खिलाड़ी का होता है सपना: अनाहत

मुंबई, एजेंसी। भारत की शीर्ष महिला स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह का कहना है कि उनकी लक्ष्य 2028 लॉस एंजिलिस 2028 खेलों में पदक जीतना है। अनाहत ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतने की चाहत हर खिलाड़ी में होती है। अनाहत ने कहा, यह पहली बार है जब इस खेल कोओलंपिक में जगह मिली है सभी खिलाड़ी इस अवसर का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, इससे पहले कोई भी स्क्वाश खिलाड़ी अधिक से अधिक राष्ट्रमंडल खेलों में खेल सकता था पर अब ओलंपिक में भी वह अपनी प्रतिभा दिखा सकता है। अनाहत ने कहा, अगले कुछ साल में मेरा लक्ष्य देश के लिए पदक जीतना रहेगा। अभी वह जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन में खेलेंगी। इससे खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक हासिल करने का भी अवसर मिलेगा। इससे इस साल के अंत में होने वाले एशियाई खेलों के लिए लय बनाने में सहायता मिलेगी। अनाहत ने कहा कि वह एक समय में एक ही टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। वहीं पुरुष वर्ग में स्टार खिलाड़ी रमित टंडन ने कहा कि इस खेल को ओलंपिक में शामिल किए जाने से अब कारपोरेट जगत का ध्यान भी इसकी ओर गया है। रमित ने कहा, ओलंपिक विश्व खेल जगत का सबसे बड़ा आयोजन है और उसमें खेलना सभी का सपना होता है। साथ ही कहा कि हमारे खेल को जेएसडब्ल्यू और अन्य कारपोरेट घरानों के जुड़ने से भी लाभ हुआ है। ये ओलंपिक में शामिल होने से ही संभव हो पाया है। रमित ने कहा कि इसके ठीक बाद मैं लंदन में अगला टूर्नामेंट खेलने जा रहा हूं। रमित ने कहा, तैयारी के लिहाज से विश्व चैंपियनशिप काहिरा में है जो एक प्रभावित इलाका है। हमें पीएसए से संदेश मिल रहे हैं जिनमें कहा गया है कि वे स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। वे तारीखों में थोड़ा-बहुत फेरबदल करने पर भी विचार कर रहे हैं।

‘वैभव के लिए 10 करोड़ रखने को कहा था’

राजस्थान के डायरेक्टर का खुलासा, कहा- पहली ही गेंद पर लगाया था छक्का

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अंडर 19 क्रिकेट टीम के स्टार युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अपने खेल और प्रदर्शन की वजह से चर्चा में बने रहते हैं। आईपीएल 2026 में एक बार फिर से उन पर निगाहें रहने वाली है कि वो किस तरह का प्रदर्शन करेंगे। आईपीएल में वैभव को पहली बार राजस्थान ने अपनी टीम में खरीदा था और उन्हें खेलने का मौका दिया। अब वैभव के बारे में अब राजस्थान रॉयल्स के हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर जुबिन बरोचा ने बड़ा खुलासा किया।

साल 2025 की मेगा नीलामी में राजस्थान रॉयल्स ने वैभव के लिए सबसे ज्यादा बोली लगाई थी और उन्हें 1.10 करोड़ में खरीदा था। अब वैभव 15 साल के हो चुके हैं और इसके बाद जुबिन ने खुलासा किया कि उन्होंने फ्रेंचाइजी मालिकों से आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में इस युवा खिलाड़ी के लिए 10 करोड़ रुपये अलग से रखने को कहा था। जुबिन ने बताया कि आखिर उन्होंने राजस्थान फ्रेंचाइजी से ऐसा करने को क्यों कहा था।

वैभव ने पहली ही गेंद पर लगाया था छक्का- जुबिन ने एक कहानी शेयर करते हुए बताया कि 13 साल के वैभव सूर्यवंशी महाराष्ट्र के तलेगांव में स्थित रॉयल्स की अकादमी में ट्रायल्स के लिए आए थे। इसके बाद जुबिन ने वैभव की परीक्षा लेने के लिए उन्होंने गेंद कर्नाटक के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को थमा दी। जुबिन सोच रहे थे कि बाएं हाथ का ये खिलाड़ी जब स्ट्राइक पर आएगा तो गेंद शायद बाहर की ओर निकलेगी और उसे मात दे देगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

वैभव को जो पहली गेंद फेंकी गई थी उस पर उन्होंने एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से गेंद को जोरदार शॉट लगाकर छक्का जड़ दिया। इसके बाद जुबिन हैरान रह गए। जुबीन ने कहा कि मैं सोच रहा था कि ये मैं क्या देख रहा हूं और मैं तो इस पर यकीन भी नहीं कर पा रहा हूं। जुबिन ने आगे कहा कि वैभव ने जिस तरह से पहली गेंद को हिट किया उसके बाद मुझे यशस्वी जायसवाल और संजू सैमसन की याद आ गई। इन दोनों ने भी ट्रायल के दौरान पहली ही गेंद पर गेंद को बाउंड्री के पार पहुंचा दिया था। जुबिन ने वैभव को फिर से परखने का फैसला किया और उनके खिलाफ साइडआर्म गेंदबाजों को उतारा जो 150 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते थे। जुबिन ने वैभव को इस खतरे के बारे में भी आगाह किया, लेकिन वो बिल्कुल भी नहीं घबराया। ट्रायल्स खत्म होने के बाद, मैंने सबको भेज दिया। मैं दूसरों को शर्मिंदा नहीं करना चाहता था इसलिए मैंने वैभव को अकेले वापस बुलाया। हमारे पास कुछ साइडआर्म गेंदबाज थे जो गेंद की रफ्तार 157-158 तक ले जा सकते थे। उनमें से एक की लंबाई लगभग 6 फुट 4 इंच थी।

इशान किशन ने लगाया IPL 2026 का पहला अर्धशतक

2180 गेंदें खेलकर तोड़ा केएल राहुल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। आरसीबी के खिलाफ आईपीएल 2026 के पहले मुकाबले में हैदराबाद के तीन विकेट जल्दी-जल्दी गिर गए, लेकिन कप्तान इशान किशन ने हिम्मत नहीं हारी और उन्होंने इस मैच में चौके के साथ अपना अर्धशतक पूरा किया। इशान किशन ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के प्रदर्शन को आईपीएल 2026 में भी जारी रखा और अपनी टीम के लिए कप्तानी पारी खेली और टीम को बखूबी संभालने का भी काम किया।

इशान ने 27 गेंदों पर पूरा किया अर्धशतक- इशान किशन ने इस मैच में अपना अर्धशतक सिर्फ 27 गेंदों पर चौके के साथ पूरा किया और वो इस सीजन में अर्धशतक लगाने वाले पहले बैटर भी बने। इशान जब मैदान पर आए थे तब तक आरसीबी के 3 विकेट गिर गए थे और उन्होंने आते ही मैदान पर आक्रामक अंदाज दिखाना शुरू कर दिया। जहां इस मैच में रन बनाने के लिए अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, नितिश रेड्डी संघर्ष करते हुए नजर आए थे वहीं इशान ने काफी आसानी से टीम के लिए रन जुटाए। इशान ने इस मैच में 38 गेंदों पर 80 रन की शानदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 5 छक्के और 8 चौके भी लगाए।

पाकिस्तानी बॉलर हारिस रऊफ के साथ खेलेंगे आर अश्विन

MLC 2026 के लिए सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के साथ जुड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने मेजर क्रिकेट लीग (स्थ्ष्ट 2026) के लिए सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के साथ करार किया है। अश्विन पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ के साथ गेंदबाजी करते हुए नजर आएंगे जो 2023 में यानी पहले सीजन से ही यूनिकॉर्न्स के साथ हैं।

मेजर क्रिकेट लीग में खेलेंगे अश्विन- यह टी20 फ्रीलांसर के तौर पर अश्विन का दूसरा कार्यकाल भी है। इससे पहले बिग बैश लीग 2025-26 के लिए सिडनी थंडर ने उन्हें साइन किया था। सिडनी थंडर में अश्विन पाकिस्तान के लेग-स्पिनर शादाब खान के साथ खेलने वाले थे। हालांकि घुटने की चोट के कारण वे इस टूर्नामेंट में नहीं खेल पाए। बाद में अश्विन ने इस बात की पुष्टि की कि उन्होंने इस समस्या के लिए सर्जरी करवाई थी, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्हें चोट कब लगी थी या यह सर्जरी कब हुई थी। इससे पहले 26 मार्च 2026 को यूनिकॉर्न्स ने इस सीजन के लिए अपने रिटेंशन की घोषणा की थी जिसमें मैट शॉर्ट, फिन एलन, जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, हारिस रऊफ, संजय कृष्णमूर्ति, हसन खान, ब्रॉडी काउच, हम्माद आजम और जुआनॉय ड्राइसडेल के नाम शामिल हैं। आने वाले सीजन में शॉर्ट टीम की कप्तानी करेंगे जो 16 जून से शुरू होने वाला है। वहीं यूनिकॉर्न्स अपने अभियान की शुरुआत 19 जून को डलास के ग्रैंड प्रेरी स्टेडियम में लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स के खिलाफ करेगा।

हारिस रऊफ के साथ गेंदबाजी करेंगे अश्विन- पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ यूनिकॉर्न्स के लिए एक अहम गेंदबाज रहे हैं और फिलहाल इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं। अब तक खेले 22 मैचों में इस पाकिस्तानी तेज गेंदबाज ने 8.91 की इकॉनमी रेट से 28 विकेट चटकाए हैं जिसमें दो बार चार-चार विकेट लेने का कमाल भी शामिल है। रऊफ फिलहाल पाकिस्तान सुपर लीग 2026 में लाहौर कलंदर्स की ओर से खेल रहे हैं।

अभिषेक ने छक्के के साथ खाता खोलने के बाद किया सरेंडर

- IPL 2026 के पहले मैच में नहीं चले; नितिश रेड्डी, हेड का फ्लॉप शो

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में अर्धशतकीय पारी खेलकर भारत को चैंपियन बनाने में सहयोग करने वाले अभिषेक शर्मा से उम्मीद थी कि वो आईपीएल 2026 में शानदार शुरुआत करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। हालांकि अभिषेक ने अपनी पारी की शुरुआत तो छक्के के साथ की, लेकिन फिर उन्होंने पूरी तरह से सरेंडर कर दिया। यही नहीं ट्रेविस हेड और नितिश कुमार रेड्डी भी आरसीबी के खिलाफ फ्लॉप रहे।

अभिषेक ने खेली 7 रन की पारी

अभिषेक ने आरसीबी के खिलाफ शानदार शुरुआत की और अपनी पारी की दूसरी गेंद पर ही छक्का लगाते हुए अपना खाता खोला। उनके इस अंदाज के देखकर लगा कि अभिषेक रन बनाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। अभिषेक शर्मा को आरसीबी के तेज गेंदबाज जैकब डफी ने विकेट के पीछे जितेश शर्मा के हाथों कैच आउट करवा दिया। अभिषेक ने इस मैच में 8 गेंदों पर एक छक्के की मदद से सिर्फ 7 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट इस दौरान 87.50 का रहा।

हेड और नितिश रेड्डी ने भी किया निराश- अभिषेक के जल्दी आउट होने के बाद हैदराबाद के दूसरे ओपनर बैटर ट्रेविस हेड पर बड़ी जिम्मेदारी थी, लेकिन जैकब डफी ने उनका भी काम तमाम कर दिया। डफी की गेंद पर हेड का कैच इस मैच में फिल साल्ट ने लपका। हेड ने इस मैच में 9 गेंदों पर 2 चौकों की मदद से 11 रन बनाए। पहले विकेट के लिए इस मैच में हेड और अभिषेक के बीच सिर्फ 13 गेंदों पर 18 रन की साझेदारी हुई। हेड के आउट होने के बाद चौथे नंबर पर बैटिंग के लिए नितिश कुमार रेड्डी को भेजा गया जो भारतीय टी20 टीम से बाहर चल रहे हैं। नितिश रेड्डी से बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन वो इस पर खड़े नहीं उतर पाए। नितिश रेड्डी ने काफी खराब बैटिंग की और उन्होंने 6 गेंदों का सामना करते हुए सिर्फ एक रन बनाए और वो भी जैकब डफी का शिकार बने। डफी की गेंद पर नितिश रेड्डी का कैच डेब्यूटेंट अभिनंदन सिंह ने लपका। इस मैच में आरसीबी ने टॉस जीता था और फिर हैदराबाद ने पहले बैटिंग करते हुए अपने पहले 3 विकेट सिर्फ 29 रन पर ही गिरा दिए।

इशान किशन ने अपने नाम कर लिया बड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। इशान किशन ने आईपीएल 2026 के पहले मुकाबले में जैसे ही मैदान पर कदम रखा उन्होंने इतिहास रच दिया। इशान किशन इस सीजन में पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी कर रहे हैं। पैट कमिस जब तक टीम के साथ नहीं जुड़ते इशान इस जिम्मेदारी को निभाते हुए नजर आएंगे।

हैदराबाद की कप्तानी करने वाले सबसे युवा भारतीय बने इशान किशन- आईपीएल के 19वें सीजन में इशान ने जैसे ही आरसीबी के खिलाफ मैदान पर कदम रखा वो इस लीग में हैदराबाद की कप्तानी करने वाले सबसे युवा भारतीय कप्तान बन गए। इससे पहले आईपीएल में ओवरऑल हैदराबाद की सबसे कम उम्र में कप्तानी करने वाले खिलाड़ी केन विलियमसन थे जिन्होंने 27 साल 244 दिन की उम्र में इस टीम की कप्तानी की थी। डेविड वॉर्नर की गैरमौजूदगी में केन विलियमसन को हैदराबाद कप्तानी सौंपी गई थी जिन्हें आईपीएल 2018 में बैन कर दिया गया था।

टाइगर वुड्स गिरफ्तार: नशे में गाड़ी चलाने का आरोप

नई दिल्ली। प्रोफेशनल गोल्फ में वापसी के कुछ ही दिनों बाद दिग्गज टाइगर वुड्स को शुक्रवार (27 मार्च) को नशे में गाड़ी चलाने (ष्ठढ्ढ) के आरोप में गिरफ्तार किया गया। वे फ्लोरिडा में अपने घर के पास एक रोलओवर कार दुर्घटना में बाल-बाल बच गए थे। उनकी कार पलट गई। अधिकारियों के मुताबिक, गिरफ्तारी के बाद वुड्स बेसुध थे। मार्टिन काउंटी पुलिस ने शुक्रवार शाम को 50 साल के वुड्स की एक फोटो जारी की। उनकी आंखें लाल दिख रही थीं। वुड्स को फ्लोरिडा की मार्टिन काउंटी जेल ले जाया गया। अधिकारियों ने शराब के नशे की बात से मना किया। हालांकि, वुड्स ने यूरिन टेस्ट कराने से मना कर दिया।

वुड्स पर संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और कानूनी टेस्ट देने से मना करने के लिए डीयूआई का चार्ज लगा। मार्टिन काउंटी के शेरिफ जॉन बुडेनसिक ने बताया कि वुड्स 'बहुत तेज स्पीड' से जा रहे थे, तभी उनकी टक्कर दूसरी कार से हो गई। इसके बाद वुड्स की गाड़ी ड्राइवर साइड पर पलट गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, किसी को कोई चोट नहीं आई।

यूरिन टेस्ट कराने के मना किया- बुडेनसिक ने कहा, 'डीयूआई जांच हुई और वुड्स में नशे के लक्षण दिखे। उन्होंने उनके कई टेस्ट किए। बेशक, उन्होंने अपनी चोटों और सर्जरी के बारे में बताया। हमने इस बात का ध्यान रखा, लेकिन उन्होंने सड़क किनारे कुछ गहराई से टेस्ट भी किए। हमें इस केस में शराब के सेवन का शक नहीं था और जेल में यह बात सच साबित हुई, लेकिन जब हमने यूरिन टेस्ट के लिए कहा तो उन्होंने मना कर दिया। इसलिए, उन पर डीयूआई, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और कानूनी टेस्ट न करवाने का आरोप लगा है।'

फरवरी 2021 में भी सड़क दुर्घटना हुए थे शिकार- यह तीसरी बार था जब टाइगर वुड्स कार दुर्घटना का शिकार हुए। फरवरी 2021 में उनकी तेज रफ्तार एसयूवी लॉस एंजिल्स में सड़क से उतर गई थी, जिससे उनके पैर और टखने में कई चोटें आईं। वुड्स ने बताया था कि डॉक्टर उनका पैर काटने पर विचार क रहे थे। वुड्स ने 2021 के उस सड़क दुर्घना के बाद से 11 टूर्नामेंट खेले हैं।

वुड्स 2017 में भी डीयूआई के आरोप में गिरफ्तार हुए थे- वुड्स को 2017 में भी डीयूआई के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

दिल्ली कैपिटल्स को झटका, दो-दो चोट से जूझ रहे हैं मिचेल स्टार्क, खुद दी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। मिचेल स्टार्क ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में अपने देरी से पहुंचने को लेकर चल रही बातों पर आलोचकों पर निशाना साधा और स्पष्ट किया कि सत्र की शुरुआत में उनकी अनुपस्थिति दिल्ली कैपिटल्स के प्रति प्रतिबद्धता की कमी वजह से नहीं बल्कि चोट के कारण है। बायें हाथ का यह तेज गेंदबाज अभी तक भारत नहीं पहुंचा है। इससे वह दिल्ली कैपिटल्स के शुरुआती मैच नहीं खेल पाएंगे। इससे विदेशी खिलाड़ियों की अपनी फ्रेंचाइजी के लिये प्रतिबद्धता को लेकर बहस छिड़ गई है। बढ़ती आलोचना पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए स्टार्क ने शनिवार को एक बयान में कहा, 'भारतीय मीडिया में कुछ लोगों द्वारा अपने-अपने मंचों के जरिए दी गई राय और विचारों के बावजूद, बताना चाहता हूं कि मैं फिलहाल अपने कंधे और कोहनी की चोट से उबर रहा हूं जिसकी गंभीरता का मुझे गर्मियों के सत्र के दौरान अंदाजा नहीं था। इन लोगों ने आईपीएल में मेरी भागीदारी को लेकर कुछ कड़े बयान दिए हैं। इन्होंने खिलाड़ियों के बारे में पूरी तरह से गलत जानकारी वाली राय दी है, उन्हें सच मानकर प्रचारित किया है। और उन्होंने दावा किया है कि वे मेरे शरीर को मुझसे बेहतर जानते हैं।'

स्टार्क ने क्या कहा?: 36 साल के स्टार्क ने पिछले आईपीएल सत्र में 14 विकेट लिए थे। इस साल लीग की शुरुआत में उपलब्ध नहीं होने के लिए उन्होंने अपनी फ्रेंचाइजी से माफी मांगी। साथ ही उन्होंने उस टीम के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का वादा किया जिसने 2025 की नीलामी में उन्हें अपनी टीम में शामिल करने के लिए 11.75 करोड़ रुपये खर्च किए थे। स्टार्क ने कहा, 'इन सब बातों के बावजूद मैं मानता हूं कि इस समय चोट की यह समस्या दिल्ली टीम के लिए परेशानी पैदा करने वाली है। मैं इसके लिए और इस सत्र के शुरुआती हिस्से में उपलब्ध नहीं होने के लिए प्रशंसकों से माफी मांगता हूं। मैं दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं।'

स्टार्क, हेजलवुड और कमिंस का वर्कलोड मैनेजमेंट: दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने हाल में स्टार्क के टीम से जुड़ने को लेकर उम्मीद जताई थी। उन्होंने कहा था कि जैसे ही क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया उन्हें अनापत्ति पत्र जारी करेगा वह किसी भी समय टीम से जुड़ सकते हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया पहले ही यह घोषणा कर चुका है कि स्टार्क, जोश हेजलवुड और पैट कमिंस की तेज गेंदबाजों की तिकड़ी वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण आईपीएल के शुरुआती चरण में नहीं खेल पाएगी।

स्वदेशी अपनाने से मजबूत होगी देश की अर्थव्यवस्था: उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने कवर्धा के पीजी कॉलेज मैदान में आयोजित भव्य स्वदेशी मेला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी मेला स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और लोगों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित जनप्रतिनिधियों ने स्वदेशी मेला में लगे प्रदर्शनी एवं विक्रय स्टॉलों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न स्टॉलों का भ्रमण कर स्थानीय उत्पादों की जानकारी ली और उनके निर्माण एवं विशेषताओं के बारे में विस्तार से जाना। 27 मार्च से 2 अप्रैल तक आयोजित इस मेले में स्वदेशी वस्तुओं के कई स्टॉल लगाए गए हैं, जहां स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन और विक्रय किया जा रहा है। भारतीय विपणन विकास केंद्र स्वदेशी जागरण फाउंडेशन की इकाई द्वारा आयोजित यह मेला स्थानीय प्रतिभाओं और स्वदेशी उत्पादों को मंच प्रदान कर रहा है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मेले में लगे सभी स्टॉल भारत में निर्मित उत्पादों के हैं, जो स्वदेशी भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि देश की बड़ी जनसंख्या के अनुसार हमारा बाजार भी बहुत बड़ा है और यदि हम अपने ही बाजार का सही उपयोग करें, तो अपनी आर्थिक स्थिति के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्य केवल सरकार के माध्यम से नहीं, बल्कि समाज के माध्यम से संभव है। समाज एक बहुत बड़ी ताकत है और यदि समाज के लोगों में स्वदेशी अपनाने का भाव जागृत हो जाए, तो बड़े परिवर्तन संभव हैं। उपमुख्यमंत्री ने जापान जैसे देशों का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां के लोग अपने ही देश में निर्मित वस्तुओं का उपयोग करते हैं, जिससे उनकी अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। इसी प्रकार हमें भी स्वदेशी को अपनाते हुए देश में निर्मित उत्पादों का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि स्वदेशी का अर्थ है कि किसी भी उत्पाद में भारत के नागरिक का श्रम और पसीना शामिल हो। ऐसे आयोजनों से स्वदेशी के प्रति जागरूकता बढ़ती है। कार्यक्रम में पूर्व विधायक डॉ. सियाराम साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नितेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्र प्रकाश चंद्रवंशी, पुलिस प्राधिकरण जवाबदेही के सदस्य भगत पटेल, जिला पंचायत सभापति राम कुमार भट्ट, जिला पंचायत सदस्य वीरेंद्र साहू, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, मनीराम साहू, मेला प्रमुख मार्गदर्शक सुब्रत चाकी, संयोजक डॉ अतुल जैन, सह संयोजक अमित बरडिया, संदीप अग्रवाल, शेखर बख्सी, राघव साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मेला के शुभारंभ अवसर पर बॉलीवुड की पार्श्व गायिका ऐश्वर्या पंडित ने अपनी शानदार प्रस्तुति दी। उन्होंने हिंदी गीतों की मधुर प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरे वातावरण को संगीतमय बना दिया। उल्लेखनीय है कि जिले में स्वदेशी मेला 27 मार्च से 2 अप्रैल तक संचालित किया जायेगा। मेले के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जा रहा है, इसमें विशेष रूप से बच्चों और महिलाओं के लिए आयोजित प्रतियोगिताएं उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान कर रही हैं। इस आयोजन के माध्यम से महिलाओं को शिक्षा, कौशल विकास और आत्मनिर्भरता से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे उन्हें सीखने, आगे बढ़ने और आत्मविश्वास विकसित करने का बेहतर अवसर मिल रहा है।

उपमुख्यमंत्री ने अंतर्राज्यीय भ्रमण के लिए दीदियों की बस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उपमुख्यमंत्री और कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की दिशा में अहम पहल करते हुए जिला कबीरधाम में आयोजित अंतर्राज्यीय दिशा दर्शन भ्रमण कार्यक्रम के तहत समूह की महिलाओं के बस को हरी झंडी दिखाकर मंडला, बिछिया और जबलपुर के लिए रवाना किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है और इस तरह के भ्रमण से उन्हें नए अवसरों की समझ मिलती है। उपमुख्यमंत्री ने सभी समूह दीदियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह भ्रमण उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगा और वे सीखकर अपने क्षेत्र में स्वरोजगार के नए आयाम स्थापित करेंगी।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में लोहारा एवं कवर्धा विकासखंड से कुल 40 स्वसहायता समूह की दीदियां शामिल हो रही हैं। यह भ्रमण कार्यक्रम महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। भ्रमण के दौरान महिलाएं विभिन्न स्थानों पर संचालित रोजगारपरक गतिविधियों का अवलोकन करेंगी, उनके कार्यप्रणाली को समझेंगी तथा अपने अनुभवों को साझा करेंगी। इस पहल से समूह की महिलाओं को नए अवसरों की जानकारी मिलेगी और वे अपने क्षेत्र में भी स्वरोजगार के नए आयाम स्थापित कर सकेंगी।

PLFS कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, छत्तीसगढ़ द्वारा Periodic Labour Force Survey (PLFS) से संबंधित एक दिवसीय कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर बताया गया कि छत्तीसगढ़ राज्य में पहली बार यह सर्वेक्षण CAPI (Computer Assisted Personal Interview) प्रणाली के माध्यम से किया जा रहा है। इस आधुनिक प्रणाली के उपयोग से राज्य में रोजगार एवं बेरोजगारी दर का अधिक सटीक आकलन संभव होगा, जिससे भविष्य की नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांख्यिकी सेवा अधिकारी, जोनल कार्यालय नागपुर के राकेश चौरें उपस्थित रहे। वहीं फील्ड ऑपरेशन डिवीजन रायपुर के सांख्यिकी सेवा अधिकारी जीतू राय ने रिसोर्स पर्सन के रूप में प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यशाला का उद्देश्य PLFS सर्वेक्षण के प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करना, डेटा संकलन की गुणवत्ता में सुधार लाना तथा अन्वेषकों को आवश्यक तकनीकी एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना था।

ग्रीन एनेस्थीसिया: सिम्स में इलाज के साथ पर्यावरण संरक्षण की नई पहल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) बिलासपुर में स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देते हुए 'ग्रीन एनेस्थीसिया' की पहल की जा रही है। इस पहल के तहत मरीजों को सुरक्षित उपचार प्रदान करने के साथ-साथ पर्यावरण और चिकित्सकों की सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। ऑपरेशन थिएटर में उपयोग होने वाली एनेस्थीसिया गैसों के दुष्प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से सिम्स द्वारा आधुनिक और पर्यावरण हितैषी तकनीकों को अपनाया जा रहा है।

एनेस्थीसिया गैसें: पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा: सर्जरी के दौरान उपयोग की जाने वाली गैसें, जैसे डेसफ्लुरेन और नाइट्रस ऑक्साइड, ग्रीनहाउस गैसों के रूप में जानी जाती हैं। इनका प्रभाव कार्बन डाइऑक्साइड से कई गुना अधिक होता है और ये लंबे समय तक वातावरण में बनी रहती हैं। हर वर्ष बड़ी संख्या में होने वाली सर्जरी से निकलने वाली ये गैसें ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

चिकित्सकों पर भी पड़ता है प्रभाव: एनेस्थीसिया का प्रभाव केवल मरीज तक सीमित नहीं रहता। जहां एक मरीज को ऑपरेशन के दौरान एक बार एनेस्थीसिया दिया जाता है, वहीं एनेस्थीसिया विशेषज्ञ चिकित्सक दिनभर में 10 से 12 घंटे तक लगातार कई मरीजों को एनेस्थीसिया प्रदान करते हैं।इस दौरान वे बार-बार इन गैसों के संपर्क में आते हैं, जिससे लंबे समय में उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना रहती है। ऐसे में ग्रीन एनेस्थीसिया चिकित्सकों की सुरक्षा के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।

क्या है ग्रीन एनेस्थीसिया: ग्रीन एनेस्थीसिया एक ऐसी पद्धति है, जिसमें मरीज को सुरक्षित बेहोशी देने के साथ-साथ पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव को कम किया जाता है। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुरक्षित और टिकाऊ बनाना है। सिम्स में इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं– इस तकनीक में प्रोपोफोल, मिडाज़ोलम आदि दवाओं को इंट्रावेनस (रक्त शिरा द्वारा) दिया जाता है, जो बेहद प्रभावी एवं सुरक्षित माना जाता है। इससे गैसों के उपयोग में कमी आती है और पर्यावरण पर दुष्प्रभाव भी कम होता है। कम मात्रा में गैस देकर भी सुरक्षित एनेस्थीसिया दिया जाता है, जिससे गैस की खपत और प्रदूषण दोनों में कमी आती है। नई तकनीकों के माध्यम से गैस लीकेज को नियंत्रित कर ऑपरेशन थिएटर के बाहर प्रदूषण को कम किया जा रहा है। निश्चेतना में उपयोग होने वाली गैसों का अत्यधिक प्रयोग ग्लोबल वार्मिंग और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। ग्रीन एनेस्थीसिया के माध्यम से इन दुष्प्रभावों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। सिम्स इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है। ग्रीन एनेस्थीसिया सिम्स की एक सराहनीय और दूरदर्शी पहल है, जो यह दर्शाती है कि बेहतर इलाज के साथ पर्यावरण और मानव दोनों की सुरक्षा संभव है।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 :

सरगुजा में कुश्ती स्पर्धा की शानदार शुरुआत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 के अंतर्गत आज चौथे दिन सरगुजा जिले के अम्बिकापुर में कुश्ती प्रतियोगिता की शानदार शुरुआत हुई। अम्बिकापुर के गांधी स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता में देश के 30 राज्यों से आए 144 खिलाड़ी शामिल हो रहे हैं।

प्रतियोगिता के शुरुआत के साथ ही पहले दिन खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। युवा पहलवानों ने अपनी तकनीक एवं रणनीति का जबरदस्त प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के पहले दिन पुरुष फ्रीस्टाइल सीनियर में 74 किलोग्राम भार वर्ग में जम्मू-कश्मीर के मुनैर हुसैन एवं महाराष्ट्र के विक्रम साहेबराव पवार ने विभिन्न पड़ाव में जीत हासिल कर फाइनल मुकाबले में अपनी जगह बनाई। इसी प्रकार फ्रीस्टाइल सीनियर में 125 किलोग्राम भार वर्ग में तेलंगाना के बनोथ विनोदकुमार एवं महाराष्ट्र के विनोद यशवंत सलकार विजेता रहे, जिनके बीच आगे फ़ाइनल मुकाबला होगा।

ग्रीको रोमन सीनियर 67 किलोग्राम भार वर्ग में गुजरात के वसावा मुकेश भाई एवं झारखंड के अंजीतकर मुंडा तथा 97 किलोग्राम भार वर्ग में हिमाचल प्रदेश के नवीश कुमार एवं जम्मू-कश्मीर के शमा हुन के बीच आगे फ़ाइनल मुकाबले होंगे।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026: सरगुजा में कुश्ती प्रतियोगिता का भव्य आगाज पहले दिन दिखा रोमांचक प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 के अंतर्गत चौथे दिन सरगुजा जिले के अंबिकापुर स्थित गांधी स्टेडियम में कुश्ती प्रतियोगिता का शानदार शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में देश के 30 राज्यों से आए 144 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जिससे आयोजन में राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा का माहौल देखने को मिल रहा है। प्रतियोगिता के पहले दिन विभिन्न भार वर्गों में खिलाड़ियों के बीच बेहद रोमांचक मुकाबले हुए। युवा पहलवानों ने अपनी उत्कृष्ट तकनीक, ताकत और रणनीति का प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

पुरुष फ्रीस्टाइल सीनियर 74 किलोग्राम भारवर्ग में जम्मू-कश्मीर के मुनैर हुसैन एवं महाराष्ट्र के विक्रम साहेबराव पवार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में स्थान सुनिश्चित किया। इसी प्रकार 125 किलोग्राम भारवर्ग में तेलंगाना के बनोथ विनोदकुमार एवं महाराष्ट्र के विनोद यशवंत सलकार ने जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। ग्रीको-रोमन सीनियर 67 किलोग्राम भारवर्ग में गुजरात के वसावा मुकेशभाई एवं झारखंड के अंजीतकर मुंडा फाइनल में आमने-सामने होंगे। वहीं 97 किलोग्राम भारवर्ग में हिमाचल प्रदेश के नवीश कुमार एवं जम्मू-कश्मीर के शमा हुन के बीच फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। महिला सीनियर 50 किलोग्राम भारवर्ग में झारखंड की पूनम ओरांव एवं तेलंगाना की के. गीता ने फाइनल में जगह बनाई।

आर्थिक चुनौतियों को मात देकर वेटलिफ्टिंग में पहचान बना रहे झारखंड के बाबूलाल हेम्ब्रम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सीमित संसाधनों और आर्थिक तंगी के बावजूद झारखंड के युवा वेटलिफ्टर बाबूलाल हेम्ब्रम अपने संघर्ष और मेहनत के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहे हैं। रामगढ़ जिले के केरिबांदा गांव से आने वाले बाबूलाल आज एक-एक पदक के साथ अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। कोच गुरविंदर सिंह की सलाह पर वेटलिफ्टिंग को अपनाने वाले बाबूलाल के लिए शुरुआती दौर बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। संसाधनों की कमी के कारण उन्होंने निर्माण स्थलों पर बांस और लोहे की रॉड से अभ्यास शुरू किया। बाद में उन्होंने झारखंड स्टेट स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसाइटी के प्रशिक्षण केंद्र में प्रवेश लिया, जहां वे प्रतिदिन लगभग 60 किलोमीटर की दूरी तय कर प्रशिक्षण प्राप्त करते रहे।

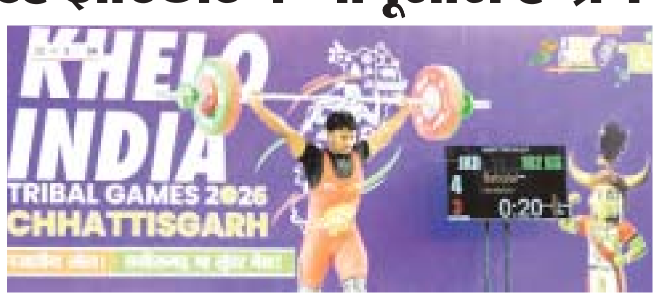

19 वर्षीय बाबूलाल ने बताया कि उनके परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर रही है। उनकी मां स्थानीय स्कूल में रसोइया हैं, जबकि पिता छोटे-मोटे काम करते हैं। इन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और खेल के प्रति अपने समर्पण को बनाए रखा। बाबूलाल हेम्ब्रम ने 2024 में चेन्नई में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2024 में 49 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इसके साथ ही उन्होंने आईडब्ल्यूएफ वर्ल्ड यूथ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप और एशियन जूनियर एवं यूथ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में भी पदक हासिल किए हैं।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 :

भारत्तोलन पुरुष 88 किग्रा वर्ग में अरुणाचल के रुबा ताडु बने चैंपियन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के अंतर्गत पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय खेल मैदान रायपुर में आयोजित पुरुष 88 किलोग्राम भारोत्तोलन प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का दिल जीत लिया। प्रतियोगिता में देशभर के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया और कड़े मुकाबले देखने को मिले। इस प्रतिस्पर्धा में अरुणाचल प्रदेश के रुबा ताडु ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 274 किलोग्राम वजन उठाकर पहला स्थान हासिल किया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने स्नैच में 117 किग्रा तथा क्लीन एंड जर्क में 157 किग्रा वजन उठाकर शीर्ष स्थान सुनिश्चित किया।

दूसरे स्थान पर आंध्र प्रदेश के देवरकोंडा प्रेम सागर रहे, जिन्होंने कुल 270 किलोग्राम वजन उठाकर रजत पदक जीता। वहीं अरुणाचल प्रदेश के ही सोरम हिटलर टाग्रू ने 262 किलोग्राम के साथ तीसरा स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक हासिल किया। प्रतियोगिता में ओडिशा के सनातन मलिक (249 किग्रा) चौथे स्थान पर रहे, जबकि असम के प्रीतम सोनोवाल (248 किग्रा) ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। मध्यप्रदेश के पृथ्वीराज चौहान (226 किग्रा) छठे स्थान पर रहे।

खेलों इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026: संचालक तनुजा सलाम ने अम्बिकापुर में तैयारियों का लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक तनुजा सलाम ने आज अम्बिकापुर स्थित गांधी स्टेडियम में आयोजित होने वाले खेलों इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 की तैयारियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से रेसलिंग (कुश्ती) चैंपियनशिप के आयोजन स्थल का जायजा लिया और तकनीकी टीम के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

व्यवस्थाओं का निरीक्षण: निरीक्षण के दौरान संचालक सलाम ने गांधी स्टेडियम में तैयार किए गए अभ्यास स्थल, मुख्य प्रतियोगिता स्थल, भोजन व्यवस्था तथा मेडिकल यूनिट का अवलोकन किया। इसके साथ ही उन्होंने खिलाड़ियों के ठहरने के लिए चिन्हित ग्रैंड बसंत और होटल मयूरा का भी दौरा किया। उन्होंने आवास स्थलों पर स्वच्छता, सुरक्षा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को उच्च गुणवत्ता के साथ बनाए रखने के निर्देश दिए।

प्रतिभागियों से संवाद: सलाम ने विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों से सीधे संवाद कर खेल सुविधाओं, आवास एवं भोजन की गुणवत्ता के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनजातीय क्षेत्रों से आने वाले खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से संचालक द्वारा तकनीकी स्टाफ एवं खेल अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में रेसलिंग चैंपियनशिप के दौरान नियमों का कड़ाई से पालन करने तथा खिलाड़ियों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी राम कुमार सिंह सहित विभाग के अन्य अधिकारी, कोच एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बीमारी से जंग और भाई के अधूरे सपनों को पूरा करने का साहस लिए अरुणाचल की अनाई ने जीता यादगार केआईटीजी स्वर्ण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के पहले संस्करण के लिए रायपुर रवाना होने से कुछ ही दिन पहले अरुणाचल प्रदेश की 21 वर्षीय वेटलिफ्टर अनाई वांगसु अस्पताल के बिस्तर पर थीं। उनकी पुरानी गैस्ट्रिक समस्या एक बार फिर उभर आई थी और ताकत लौटाने के लिए उन्हें इंट्रावेनस फ्लूइड्स पर रखा गया। ऐसे में उनके इन खेलों में भाग लेने पर ही सवाल खड़े हो गए थे।

अनाई के लिए यह संघर्ष नया नहीं है। 2019 से वह इस बीमारी से जूझ रही हैं, जो बिना किसी चेतावनी के उन्हें कमजोर, डिहाइड्रेटेड और थका हुआ बना देती है– एक ऐसे खेल में जहां ताकत और संतुलन सबसे अहम होते हैं। लेकिन इस शारीरिक चुनौती के आगे हार मानने के बजाय अनाई ने वापसी की। अस्पताल से छुट्टी मिलने के अगले ही दिन वह फिर से प्रशिक्षण में जुट गई, क्योंकि इस बार वह अपने करियर के 'करीब आकर चूक जाने' की कहानी को बदलना चाहती थीं।

अनाई ने यहां महिलाओं के 58 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण जीतने के बाद साई मीडिया से कहा,' मैंने पहले कांस्य और रजत पदक जीते थे और परिवार में सभी पूछते थे कि मैं स्वर्ण कब जीतूंगी। अब सब बहुत खुश हैं कि आखिरकार मैंने यह लक्ष्य हासिल कर लिया। '

इससे पहले अनाई ने यूथ नेशनल्स में दो कांस्य पदक जीते थे। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न खेलो इंडिया प्रतियोगिताओं, जिसमें 2025 का खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (राजस्थान) भी शामिल है, में रजत पदक हासिल किए। लेकिन स्वर्ण हर बार उनसे थोड़ा दूर रह जाता था।

पिछले साल ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी नेशनल्स में वह केवल एक लिफ्ट से स्वर्ण चूक गई थीं, क्योंकि एक मिनट की समय सीमा समाप्त हो गई थी। उस पल की टीस आज भी उनके दिल में है। उन्होंने उस पाल को याद किया,' उस दिन मैं बहुत रोई थी। लगा जैसे मेरी सारी मेहनत बेकार हो गई। '

वांगचो जनजाति से ताल्लुक रखने वाली अनाई की वेटलिफ्टिंग यात्रा उनके बड़े भाई सिंचाड बांसु के सपनों से जुड़ी है, जो खुद राष्ट्रीय स्तर के वेटलिफ्टर रह चुके हैं और अब अरुणाचल प्रदेश पुलिस में कार्यरत हैं।

सिंचाड ही उन्हें पहली बार इटानगर के स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (SAI) केंद्र में ट्रायल्स के लिए लेकर गए थे। शुरुआत में अनाई की दिलचस्पी इस खेल में नहीं थी। वह बॉक्सर बनना चाहती थीं, खासकर मैरी कॉम की फिल्म से प्रेरित होकर। लेकिन उनके भाई ने उन्हें समझाया और वेटलिफ्टिंग पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया। जल्द ही अनाई को लखनऊ के एनसीओई में उन्नत प्रशिक्षण के लिए चयनित कर लिया गया। हालांकि, कोविड-19 महामारी के दौरान उन्हें वापस अरुणाचल लौटना पड़ा, जहां पर्याप्त पोषण और संसाधनों की कमी ने उनकी गैस्ट्रिक समस्या को और बढ़ा दिया।

अनाई ने कहा,' मैं बहुत मेहनत करती हूं, लेकिन कभी-कभी मेरी सेहत अचानक खराब हो जाती है। समझ नहीं आता कि मेरा शरीर मेरा साथ क्यों नहीं देता। '

भारत के लिए खेलने का सपना रखने वाली अनाई ने यह भी जोड़ा कि यहां मिला स्वर्ण पदक उन्हें यह भरोसा देता है कि उनकी मेहनत बेकार नहीं जा रही है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा